www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 157 || लखनऊ
मंगलवार
08 सितम्बर 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2

आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:48
सूर्यास्तः 06:19
अधिकतमः 31:00
न्यूनतमः 26:00

पेज 07

विशेष समाचार | सत्य निकेतन हादसा... >> पेज 04 | 13 श्रद्धालुओं की मौत... >> पेज 06 | जेल में भी मराठी नहीं सीख पाया...

स्वर्ण भारत ट्रस्ट के 25वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए सीएम, 'जय श्रीराम' के उद्घोष से गूंजा समारोह स्थल

नई पीढ़ी ग्लोबल हो और अपनी जड़ों से जुड़ी भी, उनके हृदय में भारत हो: योगी

स्वागत

तमसा संकेत, एजेंसी

वेंकटचलम (नेल्लोर)। स्वर्ण भारत ट्रस्ट के 25वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पहुंचते ही 'जय श्रीराम' के उद्घोष से पूरा परिसर गूंज उठा। बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ उनका स्वागत किया और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। इस दौरान अपने संबोधन में सीएम योगी ने कहा कि विदेशी आक्रमणों और औपनिवेशिक दौर ने भारत की स्वावलंबी ग्रामीण व्यवस्था को कमजोर किया। गांवों की आत्मनिर्भरता और स्थानीय संस्थाओं पर इसका असर पड़ा, लेकिन गांवों की आत्मा कभी समाप्त नहीं हुई।

>> (शेष पेज 06 पर)

भारत की सभ्यता की सबसे बड़ी शक्ति हमारे गांव

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की सभ्यता की सबसे बड़ी शक्ति हमारे गांव रहे हैं। सदियों तक गांव अर्थव्यवस्था, सामाजिक जीवन और संस्कृति के केंद्र रहे। वे उत्पादन, ज्ञान और जल संरक्षण के साथ ही कला-शिल्प के केंद्र रहे हैं तथा सामाजिक मूल्यों की मूल इकाई भी रहे हैं। कृषि, पशुपालन, शिल्प, व्यापार, स्थानीय संस्थाएं, सभी एक दूसरे से जुड़ी थीं। गांव की अर्थव्यवस्था एक सर्कुलर इकॉनमी थी। एक का उत्पादन दूसरे की गांव की आत्मनिर्भरता कम हुई। स्थानीय संस्थाएं कमजोर हुईं और ग्रामीण भारत की विकास यात्रा पर आघात हुआ। सीएम ने कहा कि महात्मा गांधी ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान चेतना की एक नई दिशा दी थी। उनका आह्वान था- 'बैक टू विलेज'। वे 'ग्राम स्वराज' के माध्यम से ऐसा गांव चाहते थे जो आत्मनिर्भर हो, स्वावलंबी हो, अपनी आवश्यकताओं के लिए सक्षम हो और अपने निर्णय स्वयं लेने में समर्थ हो। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए वेंकैया नायडू जी ने 2001 में अपने आठ साथियों के साथ स्वर्ण भारत ट्रस्ट की शुरुआत की थी। ट्रस्ट ने स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर दंत एवं नेत्र चिकित्सा, पशु चिकित्सा से लेकर किसान प्रशिक्षण, महिला प्रशिक्षण से लेकर व्यावसायिक शिक्षा और कंप्यूटर प्रशिक्षण से लेकरविद्यालयों एवं ब्रिज स्कूलों तक विभिन्न क्षेत्रों में अ त्य ंत सराहनीय कार्य किया है।

> सीएम योगी ने कहा कि करीब 25 करोड़ की आबादी वाला उत्तर प्रदेश देश का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में कभी इंसेफेलाइटिस यानी दिमागी बुखार के कारण हर वर्ष मध्य जुलाई से मध्य नवंबर तक हजारों मौतें होती थीं। गोरखपुर से सांसद रहते हुए उन्होंने इस समस्या के खिलाफ लगातार आवाज उठाई और आंदोलन किया, लेकिन समाधान नहीं निकल पा रहा था।
> पीएम मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनने के बाद स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत हुई। वेंकैया नायडू जी उस कैबिनेट के महत्वपूर्ण सदस्य थे। 'हर घर शौचालय' के लक्ष्य के साथ उत्तर प्रदेश में 'दस्तक अभियान' चलाकर घर-घर जागरूकता पहुंचाई गई। इसके परिणामस्वरूप दशकों से हजारों लोगों की जान लेने वाली इंसेफेलाइटिस को पूरी तरह नियंत्रित करने और उसके उन्मूलन में सफलता मिली।

> सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 2001 में एक व्यक्ति ने शासन में रहकर समाज सेवा की यात्रा प्रारंभ की थी, आज वह भारत के प्रधानमंत्री हैं। उसी वर्ष समाज सेवा की एक और यात्रा शुरू हुई, जो स्वर्ण भारत ट्रस्ट के रूप में हम सबके सामने है। 25 वर्ष बाद दोनों यात्राओं का लक्ष्य एक ही है- विकसित भारत। जब सरकार और समाज दोनों की दिशा एक हो, दोनों का संकल्प एक हो और दोनों लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सामूहिक प्रयास करते हैं, तो अवश्य परिणाम आते हैं।

इकोसिस्टम से बाहर बच्चों को वापस शिक्षा में लाना महत्वपूर्ण

मुख्यमंत्री ने कहा कि रेजिडेंशि-यल ब्रिज स्कूल के माध्यम से स्वर्ण भारत ट्रस्ट वंचित तबके के बच्चों को शिक्षा, भोजन, पुस्तकें, ड्रेस और आवास की सुविधा उपलब्ध कराकर उन्हें फिर से शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का सराहनीय कार्य कर रहा है। परिवार के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने का भी अभिनव कार्य हो रहा है।

सत्य निकेतन हादसे पर दिल्ली हाईकोर्ट ने लगाई फटकार

'सरकार जिम्मेदारी से नहीं बच सकती'

- दिल्ली के सत्य निकेतन में रविवार को दोपहर 1.30 बजे बिल्डिंग गिरी।
- हादसे के बाद चारों तरफ मलबा बिखर गया। एक आदमी धूल के बीच खड़ा दिख रहा है।

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली हॉस्टल मामले में आज हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा- हादसे के लिए दिल्ली नगर निगम और दिल्ली यूनिवर्सिटी दोनों जिम्मेदार हैं। कोर्ट ने कहा कि बाहर से पढ़ने आने वाले छात्रों के हॉस्टलों की हालत बेहद दयनीय और खराब है। सरकार जिम्मेदारी से नहीं बच सकती है। अदालत ने एमसीडी (MCD), दिल्ली सरकार, केंद्र सरकार, एनए-चआरसी (NHRC) और दिल्ली विश्वविद्यालय को 10 दिनों के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। वहीं, पुलिस ने हॉस्टल के मालिक हरिराम बंसल को राजस्थान के भिवाड़ी से गिरफ्तारी में ले लिया है। पुलिस ने उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया था। हादसे में अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है। 12 लोगों को बचाया गया है। इनमें 5 की हालत गंभीर है।

>> (शेष पेज 06 पर)

राहुल बोले- कुछ छोटे अफसरों पर जिम्मेदारी मढ़ दी जाती है

राहुल गांधी ने सोमवार को X पर लिखा कि हर बार BJP सरकार का वही शर्मनाक पैटर्न - हादसों से पहले रोकथाम नहीं, उनके बाद बयानबाजी होती है, कुछ छोटे अफसरों पर जिम्मेदारी मढ़ दी जाती है, और असली गुनहगार जवाबदेही मुक्त रहते हैं।

दिल्ली हादसे में बिल्डिंग के मालिक, पत्नी और बेटा गिरफ्तार

सत्य निकेतन इमारत हादसा मामले में दिल्ली पुलिस ने बिल्डिंग मालिक हरिराम, उनकी पत्नी उर्मिला और बेटे महेश को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि 12 साल में ये सरकार दुनिया भर की बातें कर के आपको गोल-गोल घुमाती रही, लेकिन मुद्दे की बात नहीं की। रविवार दोपहर दो बजे से सोमवार शाम 4:30 बजे तक लगभग 27 घंटे तक दिल्ली हॉस्टल हादसे में रेस्क्यू ऑपरेशन चला।

दिल्ली हाईकोर्ट ने बिल्डिंग हादसे पर सुनवाई शुरू की

दिल्ली हाईकोर्ट ने सत्य निकेतन बिल्डिंग हादसे से जुड़ी जनहित याचिका (PIL) पर सुनवाई शुरू की। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि ऐसी घटनाएं हर कुछ महीनों में होती रहती हैं, जिनमें निर्दोष लोगों की जान चली जाती है। हाईकोर्ट ने इस मामले में दिल्ली यूनिवर्सिटी, MCD, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC), दिल्ली सरकार, केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है।

फास्ट न्यूज

मुंबई कोस्टल रोड टनल में सुपरकार रेसिंग

मुंबई। मुंबई के कोस्टल रोड की टनल में तेज रफ्तार से कारें दौड़ाने के मामले में पुलिस ने करीब आधा दर्जन ड्राइवरों के खिलाफ केस दर्ज किया है। इनमें काली लैंबॉर्गिनी, पीली BMW M2, लाल BMW Z4 और फॉक्सवैगन वर्टस शामिल हैं। यह वीडियो 3 सितंबर की रात करीब 11:15 बजे मरीन ड्राइव के पास दक्षिण दिशा वाली कोस्टल रोड पर रिकॉर्ड किया गया था।

बंगाल सरकार के विज्ञापन में मां दुर्गा के 11 हाथ

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार के सोमवार को राज्य के अखबारों में एक विज्ञापन जारी किया। अब इस विज्ञापन में छपी मां दुर्गा की तस्वीर को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। फोटो में दुर्गा को पारंपरिक 10 भुजाओं के बजाय 11 भुजाओं के साथ दिखाया गया है। इसे लेकर अब राजनीतिक विवाद भी खड़ा हो गया है। सरकार के निशाने पर आने के बाद BJP नेता समिक भट्टाचार्य ने प्रतिक्रिया देते हुए यहां तक कह दिया कि मां दुर्गा और भी शक्तिशाली हो गई हैं। हालांकि बाद में उन्होंने कहा कि उन्होंने अभी विज्ञापन नहीं देखा है। उनके मुताबिक, अगर किसी एजेंसी से गलती हुई है।

स्वतंत्र भारद्वाज के वकील बोले- गिरफ्तारी की हिम्मत कैसे की

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट में सोमवार को स्वतंत्र भारद्वाज की गिरफ्तारी को लेकर सुनवाई हुई। भारद्वाज के वकील ने कहा कि जब सुप्रीम कोर्ट ने जंतर-मंतर मामले से जुड़ी सारी FIR रद्द कर दी थीं, तो दिल्ली पुलिस ने उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जाकर उसे गिरफ्तार करने की हिम्मत कैसे की।

सीएम हाउस घेरने निकले इंटर्न डॉक्टर्स, 200 मीटर पहले रोका

भोपाल में पुलिस-स्टूडेंट्स में झड़प, बोले- हमें पीटा, लाठीचार्ज किया, स्टाइपेंड बढ़वाने प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

भोपाल। भोपाल के हमीदिया अस्पताल के इंटर्न डॉक्टर्स स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। वे मुख्यमंत्री निवास का घेराव करने निकले हैं। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए वाटर कैनन चलाया। इस दौरान पुलिस और इंटर्न डॉक्टर्स के बीच झड़प हो गई।वाटर कैनन की चपेट में आने से एक छात्र घायल हुआ है। पुलिस ने डॉक्टरों को CM हाउस से महज 200 मीटर पहले रोक दिया है। प्रदर्शनकारी स्टूडेंट्स का आरोप है कि पुलिस ने उनके साथ मारपीट की और लाठीचार्ज किया। स्टाइपेंड 30 हजार करने की मांग इंटर्न डॉक्टर्स

के मुताबिक, उन्हें फिलहाल 14,337 प्रतिमाह स्टाइपेंड मिल रहा है। वे इसे बढ़ाकर कम से कम 30 हजार प्रतिमाह करने की मांग कर रहे हैं। सरकार ने मौखिक आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक नहीं बढ़ाया गया। इसी मांग को मुख्यमंत्री तक पहुंचाने के लिए डॉक्टर CM हाउस की ओर मार्च कर रहे हैं। हमीदिया अस्पताल के इंटर्न डॉक्टर पुष्पेंद्र ने बताया कि वे सड़क जाम नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा कि अगर कोई अधिकारी आकर उनकी मांगों को लेकर उन्हें आश्वासन दे देता है, तो वे सड़क पर इस तरह प्रदर्शन नहीं करेंगे। प्रदर्शन में शामिल डॉक्टर कृष कुमार गुप्ता ने बताया- कलेक्टर साहब प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों से बातचीत करने आए थे। उन्होंने ट्रैफिक खोलने और सड़क खाली करने की बात कही, ताकि आम लोगों को परेशानी न हो। डॉ. कृष कुमार गुप्ता ने कहा कि "हमारी लड़ाई जनता से नहीं है और न ही हम जनता को परेशान करना चाहते हैं। हम अपने अधिकारों की मांग को लेकर सड़क पर उतरे हैं।"

ग्रीन कॉरिडोर भी नहीं जानती सरकार, एआई वीडियो बनेगा तो जवाब मिलेगा

सहारनपुर में मस्जिद गिराने की क्या जल्दी थी : अखिलेश

- सपा प्रमुख अखिलेश यादव को कार्यकर्ताओं ने भगवान बुद्ध की प्रतिमा भेंट की।

वार्ता

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार दोपहर लखनऊ के प्रदेश कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान यूपी की भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। अखिलेश ने कहा कि सहारनपुर में 12 घंटे के अंदर मस्जिद गिरा दी गई, इतनी भी क्या जल्दी थी। सरकार बुनियादी मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए 'पॉलिटिकल मेकअप' पर जनता का पैसा पानी की तरह बहा रही। अखिलेश ने

> अखिलेश ने सरकार की तकनीकी समझ पर सवाल उठाते हुए कहा, "ग्रीन कॉरिडोर का असली मतलब यह होता है कि गंभीर मरीजों के बॉडी ऑर्गन्स को कम से कम समय में एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल पहुंचाया जा सके। लेकिन यह सरकार सिर्फ सड़क के किनारे पेड़ लगा देने को ही ग्रीन कॉरिडोर समझ बैठती है।

कहा कि जो समाज में अच्छाई फैलाए, वही असली एआई (AI) है। इसका इस्तेमाल सिर्फ अच्छे कामों के लिए होना चाहिए। जो लोग विपक्षी नेताओं को बदनाम करने के लिए एआई से फर्जी वीडियो बनाएंगे, वह याद रखें कि वीडियो यहां से भी तैयार किया जा सकता है। उन्होंने इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य, शिक्षा और सांप्रदायिकता के मुद्दे पर सरकार को घेरा।

>> (शेष पेज 06 पर)

राम गमन पथ धंसा तो पत्रकार को ढूंढ रही पुलिस

राम गमन पथ 118 जगहों पर धंस चुका है। सरकार अपनी नाकामी छुपाने के लिए तानाशाही पर उतर आई है। इस भ्रष्टाचार की खबर दिखाने वाले पत्रकारों को पुलिस ढूंढ रही है। अखिलेश ने कहा- एक तरफ शहरों को स्पेन और क्योटो बनाने का दावा किया जाता है, तो दूसरी तरफ मुख्यमंत्री खुद ही इंजीनियर बन जाते हैं।

सुरक्षा : मेरी जीत के पीछे महिलाएं हीं, उदयनिधि स्टालिन ने एक्ट्रेस तृषा पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी

महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक भाषा बर्दाश्त नहीं करूंगा : सीएम विजय

तमसा संकेत, एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु के सीएम विजय ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा उनकी सरकार की प्राथमिकता है। महिलाओं के खिलाफ किसी भी तरह की अभद्र भाषा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विजय का यह बयान नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन की एक्ट्रेस त्रिशा को लेकर की गई डबल मीनिंग टिप्पणी के विवाद के बीच आया है। पुलिस ने 4 अगस्त को उदयनिधि स्टालिन को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था। मद्रास हाईकोर्ट के आदेश के बाद उन्हें उसी दिन

रिहा कर दिया गया था। उदयनिधि स्टालिन ने यह कथित डबल-मीनिंग टिप्पणी 3 अगस्त को तंजावुर में कावेरी जल विवाद को लेकर आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान की थी। इसी दौरान भीड़ में तृषा, तृषा' के नारे लगे। आरोप है कि इस पर उदयनिधि ने कहा, पानी कहीं और पहुंचे या न पहुंचे, वहां जरूर पहुंचना चाहिए। बाद में सफाई दी कि उनका इशारा कावेरी के पानी की ओर था। इसके बाद 4 अगस्त को उदयनिधि से पुलिस ने 8 घंटे तक पूछताछ की, जिसके बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। बाहर आकर उन्होंने कहा कि विजय की पुलिस ने मेरे साथ आतंकवादी जैसा सुलूक किया। मैंने किसी महिला का अपमान करने की कोशिश नहीं की। विजय और तृषा की केमिस्ट्री काफी चर्चा में रही है। दोनों करीब 5 फिल्मों में साथ नजर आए हैं, जिनमें से 2023 में रिलीज सुपरहिट फिल्म लियो भी शामिल है। यह वही वक्त था जब विजय की पत्नी संगीता सोर्नालिंगम तलाक के लिए कोर्ट में लड़ाई लड़ रही थीं। हालांकि, उन्होंने केस वापस ले लिया है।

विजय और तृषा ने साथ-साथ 5 फिल्में कीं, चुनाव जीत के बाद घर पहुंची थीं

4 मई को तमिलनाडु विधानसभा के रिजल्ट आए थे। TVK ने 234 में से 108 सीटें जीती थीं। उस दिन तृषा का बर्थडे था। रिजल्ट आने से पहले वो तिरुमाला मंदिर पहुंचीं, दर्शन किए और फिर विजय के घर पहुंचीं। विजय और तृषा की केमिस्ट्री काफी चर्चा में रही है। दोनों करीब 5 फिल्मों में साथ नजर आए हैं, जिनमें से 2023 में रिलीज सुपरहिट फिल्म लियो भी शामिल है। यह वही वक्त था जब विजय की पत्नी संगीता सोर्नालिंगम तलाक के लिए कोर्ट में लड़ाई लड़ रही थीं। हालांकि, उन्होंने केस वापस ले लिया है।

विजय ने कहा- कानून-व्यवस्था बनाए रखना जरूरी

विजय ने कहा कि विकास के लिए कानून-व्य-वस्था बनाए रखना जरूरी है। पुलिस का काम सिर्फ आरोपियों को गिरफ्तार करना नहीं, बल्कि राज्य के विकास की नींव मजबूत करना भी है। उन्होंने आगे कहा कि जो लोग कानून का पालन करते हैं, उनके लिए पुलिस दोस्त है और जो कानून नहीं मानते, उनके लिए पुलिस दुश्मन है। राजनीतिक नेताओं और अधिकारियों को पुलिस के काम में दखल नहीं देना चाहिए।

पत्नी का सिर काटकर फ्रिज में रखा, फर्श पर मिला धड़

पत्नी की हत्या कर पति ने किया सरेंडर, कुछ महीने पहले हुई थी शादी

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

गुवाहाटी। असम के गुवाहाटी से एक युवक ने पत्नी की हत्या कर दी। आरोपी पति ने पत्नी का सिर धड़ से अलग करके फ्रिज में रख दिया और उसके दोनों हाथों की उंगलियां भी काट दीं। मामले का खुलासा रविवार को तब हुआ था जब, वह बॉडी कुत्ते को खिलाने की तैयारी में था, लेकिन तेज बदबू आने पर पड़ोसियों ने पुलिस बुला ली। पुलिस फ्लैट का ताला तोड़कर अंदर घुसी तो 25 साल की रिया तालुकदार का धड़ मिला। हत्या के बाद से ही आरोपी रामानुजन गोस्वामी फरार था, जिसे सोमवार सुबह अरेस्ट कर लिया गया। पुलिस की शुरुआती जांच में

- रिया का कटा हुआ सिर उसके पति ने ब्लैक पॉलिथीन में लपेटकर फ्रिज में रखा था।
- महिला की बॉडी दो हिस्से में थी। पोस्टमॉर्टम के लिए पॉलिथिन में भरकर शव ले जाया गया।

पता चला है कि हत्या के बाद रामानुजन ने उसी कमरे में खाना बनाया और खाया था।

>> (शेष पेज 06 पर)

09 से 24 सितंबर तक एससीईआरटी, प्रयागराज में नौ बैचों में होगी टीओटी एवं एमटी कार्यशाला

बेटियों को नेतृत्व और सुरक्षा का मजबूत कवच

मजबूती

- मीना मंचों के 450 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित करेगी योगी सरकार
- क्रियान्वयन के लिए होगा क्षमता संवर्धन, प्रदेश के विभिन्न जनपदों से 450 प्रतिभागी होंगे शामिल, प्रत्येक जनपद से छह प्रतिभागी

मीना मंचों के सशक्तीकरण और नेतृत्व क्षमता विकास पर रहेगा विशेष जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार बेटियों को शिक्षा के साथ नेतृत्व, आत्मविश्वास और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए विद्यालय स्तर पर चल रहे कार्यक्रमों को संस्थागत मजबूती दे रही है। इसी नीति के अंतर्गत विशेष परियोजना फॉर इक्विटी के अंतर्गत मीना मंचों को बालिकाओं के सशक्तीकरण और नेतृत्व क्षमता विकास का प्रभावी माध्यम बनाने के लिए राज्य स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी के अनुसार एससीईआरटी, प्रयागराज में 09 से 24 सितंबर तक नौ बैचों में कुल 450 प्रतिभागियों की ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स (टीओटी) एवं मास्टर ट्रेनर (एमटी) कार्यशाला होगी। कार्यशाला में मीना मंचों के सशक्तीकरण, नेतृत्व क्षमता प्रदान करने तथा यौन शोषण संबंधी प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रतिभागियों की क्षमता संवर्धित की जाएगी। इसी तरह पंचम बैच में महोबा, मैनपुरी, मथुरा, मऊ, मेरठ, मिर्जापुर, मुरादाबाद और मुजफ्फरनगर तथा षष्ठम बैच में पीलीभीत, प्रतापगढ़, रायबरेली, रामपुर, सहारनपुर, संभल, संत कबीर नगर और शाहजहांपुर से प्रतिभागी होंगे।

जारी दिशा निर्देश के अनुसार प्रथम एवं द्वितीय बैच की कार्यशाला 09 एवं 10 सितंबर, तृतीय एवं चतुर्थ बैच की 11 एवं 12 सितंबर, पंचम एवं षष्ठम बैच की 21 एवं 22 सितंबर, सप्तम एवं अष्टम बैच की 16 एवं 17 सितंबर तथा नवें बैच की कार्यशाला 23 एवं 24 सितंबर 2026 को होगी। प्रत्येक बैच में 50 प्रतिभागी शामिल होंगे और कुल 450 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

75 जनपदों से होगी सहभागिता

कार्यशाला में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से प्रतिभागी शामिल होंगे। प्रथम बैच में बदायूं, बुलंदशहर, चंदौली, चित्रकूट, देवरिया, एटा, इटावा, फैजाबाद और फर्रुखाबाद से छह-छह प्रतिभागी शामिल होंगे। द्वितीय बैच में फतेहपुर, फिरोजाबाद, गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, गाजीपुर, गोंडा, गोरखपुर और हमीरपुर से प्रतिभागी होंगे। तृतीय बैच में हापुड़, हरदोई, हाथरस, जालौन, जौनपुर, झांसी, कन्नौज और कानपुर देहात तथा चतुर्थ बैच में कासगंज, कौशाम्बी, कुशी नगर, कानपुर नगर, लखीमपुर खीरी, ललितपुर, लखनऊ और महराजगंज से प्रतिभागी शामिल होंगे।

योगी सरकार बालिकाओं को शिक्षा के साथ नेतृत्व, आत्मविश्वास और सुरक्षित वातावरण देने के लिए प्रतिबद्ध है। मीना मंच बालिकाओं के सशक्तीकरण और नेतृत्व विकास का प्रभावी माध्यम है। 450 प्रतिभागियों का प्रशिक्षण इस व्यवस्था को और मजबूत करेगा।

संदीप सिंह, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), बेसिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश

योगी सरकार में टेक्सटाइल सेक्टर को मिली नई ताकत

157 इकाइयों को 416.75 करोड़ की वित्तीय सहायता

तमसा संकेत, संवाददाता

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यूपी टेक्स-2026 का मंगलवार को करेंगे उद्घाटन
- यूपी टेक्स-2026: लखनऊ में 8 और 9 सितंबर को जुटेंगे देश के प्रतिष्ठित वस्त्र व्यवसायी और निर्माता
- अब तक 4,122 बुनकरों को 73.18 करोड़ की मदद, यूपी में हथकरघा-पावरलूम क्षेत्र को मिल रहा संबल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग क्षेत्र को नई पहचान और गति देने की दिशा में योगी सरकार का प्रयास लगातार प्रभावी परिणाम दे रहा है। इसी कड़ी में यूपी टेक्स-2026 का आयोजन 8 और 9 सितंबर 2026 को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर में किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसका उद्घाटन करेंगे, जिसमें देश के प्रतिष्ठित वस्त्र व्यवसायी एवं निर्माता हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम के जरिए प्रदेश के वस्त्र उद्योग की संभावनाओं, निवेश, उत्पादन और रोजगार के अवसरों को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है। हथकरघा और वस्त्रोद्योग विभाग योगी सरकार में लगातार उपलब्धियों की तरफ बढ़ रहा है। वर्ष 2017-18 से अब तक वस्त्रोद्योग क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने और रोजगार सृजन के उद्देश्य से 'उत्तर प्रदेश हैंडलूम, पावरलूम, सिल्क, टेक्सटाइल एवं गारमेंटिंग पॉलिसी-2017' तथा 'उत्तर प्रदेश टेक्सटाइल एवं गारमेंटिंग पॉलिसी-2022' लागू की गई हैं। इन नीतियों के तहत नई वस्त्र इकाइयों तथा विस्तार/विविधीकरण करने वाली इकाइयों को लाभ पहुंचाते हुए 214 इकाइयों के पक्ष में 'लेटर ऑफ कम्फर्ट' जारी किए गए हैं।

फास्ट न्यूज

मोहनलालगंज में हाइड्रा पलटने से मजदूर की मौत

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के धनवारा गांव में बीती रविवार सुबह पेड़ की भारी डाल उतारते समय हाइड्रा मशीन पलटने से उसकी चपेट में आए मजदूर की मौत के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। मृतक के पिता की तहरीर पर पुलिस ने ठेकेदारों समेत अन्य लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। धनवारा गांव के प्राथमिक विद्यालय के आसपास पिछले कुछ दिनों से पेड़ों की कटाई का काम चल रहा था।

लखनऊ में पंचायत प्रतिनिधियों ने घेरा डिप्टी सीएम आवास

लखनऊ। लखनऊ में सोमवार को पंचायत अधिकार संघ ने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के आवास का घेराव किया। प्रदेशभर से आए ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य, जिला पंचायत सदस्य और अन्य पंचायत प्रतिनिधियों ने करीब 2 घंटे तक आवास के बाहर प्रदर्शन किया। सभी पंचायत चुनाव जल्द कराने की मांग कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों ने गांव की सरकार नहीं तो विधानसभा की सरकार नहीं और पंचायत चुनाव जल्द करवाओ के नारे लगाए। डिप्टी सीएम से मुलाकात होने पर प्रदर्शनकारियों ने हाथ जोड़कर चुनाव की तारीख पूछी और जल्द चुनाव कराने की मांग रखी।

देश में लखनऊ की हवा सबसे साफ

लखनऊ। लखनऊ ने स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2026 में देश में पहला स्थान हासिल किया है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP) के तहत हुए सर्वे में लखनऊ को सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला शहर चुना गया। इसके लिए नगर निगम को 1.50 करोड़ रुपए का पुरस्कार मिला। जोन-4 के वार्ड नंबर-70 पेपर मिल कॉलोनी को भी देश का सबसे अच्छा वार्ड चुना गया है। 30 हजार से ज्यादा आबादी वाले वार्डों में इसे पहला स्थान मिला।

फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि बढ़कर हुई 10 सितंबर

कृषि मंत्री ने केसीसी धारकों को संतृप्त करने के दिए निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

- प्रदेश में तोरिया के निःशुल्क मिनीकिट व रबी फसलों के बीजों की बुकिंग जारी, कृषक पोर्टल पर करें बुकिंग
- अतिवृष्टि व बाढ़ से फसल नुकसान के पात्र आवेदनों का त्वरित सर्वेक्षण कर नियमानुसार क्षतिपूर्ति देने के आदेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कृषकों के हित में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन तेजी से कराया जा रहा है। इसी क्रम में प्रदेश में तोरिया के 30 हजार मिनीकिट का कृषकों को निःशुल्क वितरण कराये जाने का लक्ष्य रखा गया है। इस संबंध में प्रदेश के कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने प्रदेश के किसानों से अपील की है कि वे तोरिया के निःशुल्क मिनीकिट प्राप्त करने हेतु विभाग के पोर्टल (https://agriculture.up.gov.in) पर शीघ्र बुकिंग कर योजना का लाभ उठाएं। तोरिया के अतिरिक्त रबी विपणन वर्ष 2026-27 के लिए गेहूं के 10.45 लाख कुंतल, चना के 69.96 हजार कुंतल, मटर के 17.89 हजार कुंतल, मसूर के 41.76 हजार कुंतल तथा राई/सरसों के 15.94 हजार कुंतल की बुकिंग प्रक्रियाधीन है, जिसके लिए कृषकों से अधिकाधिक संख्या में बुकिंग कराने का आह्वान किया गया है। कृषि मंत्री की अध्यक्षता में कृषि भवन समीक्षा कक्ष में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना तथा किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना की समीक्षा बैठक संपन्न हुई।

योगी सरकार विद्यार्थियों को स्वस्थ, सुरक्षित एवं तनावमुक्त शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध

मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए बनेगी एक समान नीति

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने सोमवार को लखनऊ स्थित अपने आवास पर उच्च शिक्षा संस्थानों में एक समान छात्र मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण नीति के संबंध में उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक में प्रस्तावित नीति के विभिन्न पहलुओं, इसके प्रभावी क्रियान्वयन और विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य एवं परामर्श संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराने की कार्ययोजना पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा एम. पी. अग्रवाल, विशेष सचिव निधि श्रीवास्तव सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

योगी सरकार उच्च शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण, आधुनिक और विद्यार्थी-केंद्रित बनाने के साथ-साथ विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को भी प्राथमिकता दे रही है। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को ऐसा शैक्षणिक वातावरण देना है, जहां वे शैक्षणिक दबाव, तनाव या भावनात्मक चुनौतियों की स्थिति में समय पर सहायता प्राप्त कर सकें।

प्रस्तावित नीति के तहत राज्य, जिला और संस्थान स्तर पर समन्वित व्यवस्था विकसित की जाएगी। राज्य स्तर पर निदेशक, उच्च शिक्षा को नोडल एवं कार्यान्वयन प्राधिकारी बनाया जाएगा, जबकि प्रमुख सचिव की अध्यक्षता में संचालन समिति क्रियान्वयन, बजट और समीक्षा की निगरानी करेगी। जिला स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समिति विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के साथ समन्वय करेगी। नीति के तहत मानसिक स्वास्थ्य को समग्र व्यक्तित्व विकास से जोड़ा जाएगा। इसके लिए जागरूकता अभियान, कार्यशालाएं, खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियां, करियर काउंसलिंग और सोशल मीडिया के माध्यम से सकारात्मक वातावरण तैयार किया जाएगा। क्रियान्वयन और निगरानी के लिए उच्च शिक्षा विभाग में समेकित पोर्टल एवं डैशबोर्ड विकसित किया जाएगा।

प्रत्येक उच्च शिक्षा संस्थान में मानसिक स्वास्थ्य सहायता कक्ष की स्थापना की जाएगी, जहां विद्यार्थियों को गोपनीय वातावरण में परामर्श मिलेगा। ऑनलाइन मानसिक स्वास्थ्य पोर्टल के माध्यम से टेस्टिंग की व्यवस्था भी प्रस्तावित है। जरूरत पर विद्यार्थियों को परामर्शदाता, मनोवैज्ञानिक या विशेषज्ञ सेवाओं से जोड़ा जाएगा।

जीवन कौशल पर संवाद कार्यक्रम चलाएंगे

शिक्षकों, गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों और छात्र प्रतिनिधियों को तनाव, भावनात्मक परेशानी के संकेतों को समझने और सहायता पहुंचाने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षित शिक्षक छोटे समूहों में मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन और जीवन कौशल पर संवाद कार्यक्रम चलाएंगे। गंभीर तनाव या आपातकाल में तत्काल सहायता के लिए हेल्पलाइन और रेफरल व्यवस्था विकसित की जाएगी, जिसमें विद्यार्थी की गोपनीयता और गरिमा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

बिजली चोरी को लेकर 700 से ज्यादा प्राथमिकी दर्ज, हाई लॉस फीडरों में 21% तक कम हुआ घाटा

योगी सरकार में बिजली व्यवस्था में बड़ा सुधार

- बिजली चोरी पर शिकंजा, हाई लॉस फीडरों में सुधार से बढ़ी राजस्व वसूली
- एटीएंडसी हानि में भी बड़ी गिरावट, 31.19% से घटकर 17.83% पर पहुंची

वितरण हानि 20.63% से घटकर 13.04%

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश की विद्युत व्यवस्था को मजबूत करने और बिजली वितरण में होने वाले नुकसान को कम करने के प्रयासों का असर आंकड़ों में साफ दिखाई दे रहा है। वर्ष 2020-21 में 20.63 प्रतिशत रही वितरण हानि वर्ष 2025-26 में घटकर 13.04 प्रतिशत रह गई। इसी अवधि में एटीएंडसी हानि भी 31.19 प्रतिशत से घटकर 17.83 प्रतिशत पर आ गई। कृषि फीडरों को छोड़कर प्रदेश में फीडरों की संख्या 18,351 से बढ़कर 21,463 हो गई है। इनमें लाभकारी फीडरों की संख्या 5,772 से बढ़कर 8,104 पहुंच गई। इसमें 2,332 अतिरिक्त फीडर लाभकारी श्रेणी में आए हैं। लाभकारी फीडरों की हिस्सेदारी भी 31 प्रतिशत से बढ़कर 38 प्रतिशत हो गई है। डिस्कॉमवार प्रदर्शन में पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम 53 प्रतिशत लाभकारी फीडरों के साथ प्रदेश में पहले स्थान पर रहा। केस्को 39 प्रतिशत, दक्षिणांचल और मध्यांचल 37-37 प्रतिशत तथा पूर्वांचल 22 प्रतिशत पर रहा। ये आंकड़े बताते हैं कि योगी सरकार के कार्यकाल में बिजली वितरण व्यवस्था को अधिक कुशल, जवाबदेह और आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में लगातार सुधार हुआ है।

अधिकारियों के अनुसार, यह सुधार योगी सरकार और यूपीपीसीएल अध्यक्ष के मार्गदर्शन और लगातार मॉनिटरिंग का परिणाम है। फीडर स्तर पर दैनिक समीक्षा, डेटा आधारित निगरानी और फील्ड अधिकारियों की जवाबदेही तय किए जाने से विद्युत विभाग में वित्तीय अनुशासन मजबूत हुआ है और राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

हाई लॉस फीडरों पर कार्रवाई का असर

तालबेहट टाउन-2 ललितपुर में एटीएंडसी हानि 63 प्रतिशत से घटकर 11 प्रतिशत, मणिकापुर सीरी कासगंज में 87 से 53 प्रतिशत और राल मथुरा में 83.62 से 47.82 प्रतिशत तक आ गई। आगरा, मथुरा, चित्रकूट, राठ और कोसी के टॉप-10 हाई लॉस फीडरों का घाटा 22.53 करोड़ से घटकर 17.89 करोड़ रुपये रह गया, जो करीब 21 प्रतिशत की कमी है। इन फीडरों पर बिजली चोरी को लेकर 700 से अधिक एफआईआर, 862 किलोवाट भार वृद्धि और 477 मीटर बाहर शिफ्टिंग की कार्रवाई की गई।

बदायूं में डंपर-टेंपो की भिड़ंत में तीन की मौत

7 लोग घायल, पति-पत्नी की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

बदायूं। बदायूं में सहसवान-बिसौली मार्ग पर सोमवार दोपहर एक डंपर और टेंपो की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। यह हादसा उघैती थाना क्षेत्र के खितौरा गांव के पास हुआ। इस हादसे में टेंपो में सवार दो महिलाओं और एक युवक की मौत हो गई, जबकि सात लोग घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार, डंपर (यूपी 38 एटी 0837) और टेंपो (यूपी 24 टी 3930) सहसवान से बिसौली की तरफ जा रहे थे। खितौरा के पास दोनों वाहनों की टक्कर हो गई। मृतकों की पहचान रूपवती पत्नी पप्पू (निवासी गाजीपुर, वसुंधरा एंक्लेव, मयूर विहार फेस-3, पूर्वी दिल्ली), ओमकार पुत्र रामचरण (47) और उनकी पत्नी शांति (45) (दोनों निवासी धरैरा, थाना उघैती) के रूप में हुई है।

हादसे में सात लोग घायल हुए हैं। इनमें परवीन (25), उनकी मां साईदन (50), आबिद पुत्र खुर्शीद खान, अयान (5) पुत्र सानू और संजीता पत्नी कल्लू (सभी निवासी शाहबाजपुर, थाना सहसवान) शामिल हैं। इनके अलावा, मोहरकली (30) निवासी कुदई, थाना जरीफनगर और नजमा पत्नी गुलशेर निवासी मजहबाग, थाना सहसवान भी घायल हुए हैं।

अभियान : जनपद न्यायाधीश मलखान सिंह ने न्यायालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार के लिए पीआरवी वाहन रवाना

- 12 सितंबर को होगी लोक अदालत
- तहसीलों और दूरदराज के क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को करेगा जागरूक

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रीय लोक अदालत एवं राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान 3.0 को लेकर आम लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए सोमवार को लखनऊ में विशेष प्रचार अभियान शुरू किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से राष्ट्रीय लोक अदालत और मध्यस्थता अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए पीआरवी (पुलिस रिस्पांस व्हीकल) वाहन को रवाना किया गया।

जनपद न्यायालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष मलखान सिंह ने पीआरवी वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वाहन लखनऊ की विभिन्न तहसीलों, ब्लॉकों और दूरदराज के इलाकों में पहुंचकर लोगों को आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत और राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान के बारे में जानकारी देगा।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली, मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति, सर्वोच्च न्यायालय तथा उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश पर 12 सितंबर 2026 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

अभियान का मुख्य उद्देश्य विवादों को लंबी कानूनी प्रक्रिया में ले जाने के बजाय पक्षकारों के बीच संवाद, सुलह और आपसी समझौते के माध्यम से उनका शीघ्र और स्थायी समाधान सुनिश्चित करना है।

तहसील और ब्लॉक स्तर तक पहुंचेगा प्रचार अभियान

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव कुँवर मित्रेश सिंह कुशवाहा ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत और राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान 3.0 की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से पीआरवी वाहन को रवाना किया गया है। उन्होंने बताया कि यह वाहन लखनऊ जिले की सभी तहसीलों और ब्लॉकों के अलावा दूरदराज के क्षेत्रों में जाकर लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत की तारीख, आयोजन और विवादों के समाधान की प्रक्रिया के संबंध में जागरूक करेगा। इसके जरिए लोगों को यह संदेश भी दिया जाएगा कि आपसी सहमति से विवादों का समाधान कर समय और धन दोनों की बचत की जा सकती है।

12 अरब 40 करोड़ की धनराशि की स्वीकृति

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा विधान मण्डल क्षेत्र विकास निधि योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026-2027 में विधान सभा के 403 मा० सदस्यों में से 397 (06 स्थान रिक्त) हेतु रू0 250.00 लाख जी०एस०टी० सहित (रु० दो करोड़ पचास लाख मात्र, जी०एस०टी० सहित) प्रति मा० सदस्य की दर से कुल रू० 9,92.50.00 लाख जी०एस०टी० सहित (रुपये नौ अरब बानवे करोड़ पचास लाख मात्र, जी०एस०टी० सहित) तथा विधान परिषद के 100 गा० सदस्यों में से 99 (01 स्थान रिक्त) मा० सदस्यों हेतु रु० 250.00 लाख जी०एस०टी० सहित (रु० दो करोड़ पचास लाख मात्र, जी०एस०टी० सहित) प्रति मा० सदस्य की दर से धनराशि रू0 24750.00 लाख जी०एस०टी० सहित (रु० दो अरब सैतालीस करोड़ पचास लाख मात्र, जी०एस०टी० सहित) की धनराशि अर्थात विधान मण्डल के कुल 503 मा० सदस्यों में से 496 (397+99) मा० सदस्यों हेतु कुल धनराशि रु० 124000.00 लाख, जी०एस०टी० सहित (रु० बारह अरब चालीस करोड़ मात्र, जी०एस०टी० सहित) को द्वितीय किश्त के रूप में अवमुक्त किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इस सम्बन्ध में आवश्यक शासनादेश उत्तर प्रदेश शासन ग्राम्य विकास विभाग द्वारा जारी कर दिया गया है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा ग्राम्य विकास विभाग के सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए गये हैं कि स्वीकृत की गयी धनराशि का व्यय विधान मण्डल क्षेत्र विकास निधि के मार्गदर्शी सिद्धांतों में उल्लिखित व्यवस्था / प्राविधानों तथा इस निमित्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अनुसार ही किया जाय।

द्वितीय किस्त के रूप में प्रति मा0 सदस्य को विकास कार्यों हेतु रू0 2 करोड़ 50 लाख की धनराशि दी जा रही है, निधि से कराये जाने वाले कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने का दायित्व सम्बन्धित मुख्य विकास अधिकारी का होगा, विधान मण्डल क्षेत्र विकास निधि के तहत स्वीकृत धनराशि का व्यय विधान मण्डल क्षेत्र विकास निधि के मार्गदर्शी सिद्धांतों व जारी शासनादेशों के अनुसार ही किया जाय

पेट में घुसी नुकीली चीज, बाहर निकल आईं आंतें, सीएचसी में इलाज के दौरान तोड़ा दम

कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। जिले के हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र में सोमवार दोपहर तेज रफ्तार कार की टक्कर से बड़ा हादसा हो गया। पलिया गांव के पास मुख्य सड़क पर तेज रफ्तार वैगनआर कार ने तीन लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार 48 वर्षीय रामनाथ गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि उनके पेट में कोई नुकीली चीज घुस गई, जिससे पेट में गंभीर चोट आई और आंतें बाहर निकल आईं। गंभीर हालत में उन्हें हरपालपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। हादसे में दो अन्य लोग भी घायल हुए हैं। दोपहर करीब 12:30 बजे हुए हादसे के बाद

सड़क पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों और ग्रामीणों ने घायलों को संभाला। सूचना मिलने पर हरपालपुर कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। गंभीर रूप से घायल रामनाथ को ग्रामीणों की मदद से निजी वाहन के जरिए हरपालपुर सीएचसी पहुंचाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने तत्काल उनका उपचार शुरू किया, लेकिन उनकी हालत पहले से ही बेहद नाजुक थी। इलाज के दौरान रामनाथ ने दम तोड़ दिया। हादसे की जानकारी मिलने के बाद उनके परिवार के लोग भी अस्पताल पहुंच गए। रामनाथ की मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

कार कब्जे में, चालक हिरासत में

हादसे के बाद पुलिस ने दुर्घटना में शामिल वैगनआर कार को कब्जे में ले लिया है। कार चालक को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि हादसे के समय कार की गति कितनी थी और दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए हरदोई मर्चरी हाउस भेज दिया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ट्रैक्टर की किस्त जमा करने बाजार आए थे रामनाथ

रामनाथ अरवल थाना क्षेत्र के नाऊपुरवा गांव के रहने वाले थे। बताया जा रहा है कि सोमवार को वह अपने ट्रैक्टर की किस्त जमा करने के लिए पलिया गांव की बाजार में स्थित जन सेवा केंद्र आए थे। काम पूरा करने के बाद वह बाइक से सड़क से गुजर रहे थे। इसी दौरान सामने से तेज रफ्तार में आ रही वैगनआर कार ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही रामनाथ सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायल रामनरेश घायल सुधीर

घर की जिम्मेदारियां संभालते थे रामनाथ

रामनाथ की मौत की खबर जैसे ही नाऊपुरवा गांव पहुंची, परिवार और आसपास के लोगों में शोक की लहर दौड़ गई। पत्नी रामपोती का रो-रोकर बुरा हाल है। उनके बेटे रवि, सुरजीत और कृष्णपाल तथा बेटियां प्रज्ञा और प्रीति भी पिता की मौत से गहरे सदमे में हैं। हादसे में उनके पेट में नुकीली चीज घुस जाने से उनकी हालत बेहद गंभीर हो गई। आसपास मौजूद लोगों ने जब उन्हें इस हालत में देखा तो मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

परिजनों के मुताबिक रामनाथ परिवार की जिम्मेदारियां संभालते थे और खेती-किसानी से जुड़े काम के साथ परिवार का भरण-पोषण करते थे। वह सोमवार को ट्रैक्टर की किस्त जमा करने के लिए घर से निकले थे, लेकिन कुछ ही देर बाद सड़क हादसे में उनकी मौत की खबर परिवार तक पहुंच गई।

युवक ने घर में फांसी लगाकर जान दी

मानसिक तनाव और नशे का आदी था

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के अचलगंज थाना क्षेत्र के हड़हा गांव में सोमवार सुबह एक 18 साल के युवक का शव घर के अंदर फंदे से लटका मिला। परिजनों को सुबह इस घटना की जानकारी हुई। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में दुख का माहौल छा गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक की पहचान हड़हा गांव निवासी रमेश के 18 साल के बेटे सभाजीत के तौर पर हुई है। सोमवार दोपहर करीब दो बजे पोस्टमार्टम हाउस में पिता रमेश ने बताया कि सभाजीत ने घर के अंदर ही संदिग्ध हालात में फांसी लगा ली थी। सुबह परिजनों को इसकी जानकारी हुई, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को बताया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर

मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी मिली है कि सभाजीत नशे का आदी था और मानसिक तनाव में भी रहता था। परिजनों के मुताबिक, सभाजीत तीन भाइयों और दो बहनों में सबसे बड़ा था। उसकी मौत से परिवार में मातम छाया हुआ है। पिता रमेश ने बताया कि बेटे ने घर में ही फांसी लगा ली। परिजनों के अनुसार, सभाजीत कोई तय काम नहीं करता था और ज्यादातर घर पर ही रहता था। उसकी संगति भी अच्छी नहीं थी।

फास्ट न्यूज

नए पुल के लिए 8 हरे पेड़ काटे गए

उन्नाव। उन्नाव में कानपुर और शुक्लागंज को जोड़ने वाले नए पुल के निर्माण में अब तेजी लाई जा रही है। सोमवार को मिश्रा कॉलोनी में पुल के रास्ते में आ रहे आठ हरे पेड़ों को काटकर हटाया गया। इनमें चार पीपल, दो नीम, एक शीशम और एक अन्य प्रजाति का पेड़ शामिल है। पेड़ों की कटान गावर कंस्ट्रक्शन के इंजीनियर देवेंद्र कुमार की देखरेख में कराई गई।

लूट की साजिश से पहले दबोचे बदमाश

हरदोई। संडीला और आसपास के इलाकों में चोरी-लूट की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए रविवार रात पुलिस गश्त कर रही थी। इसी दौरान उन्नाव तिराहे पर तैनात टीम को सूचना मिली कि एचपी पेट्रोल पंप से मीतों की ओर जाने वाले रास्ते पर एक मकान के पास कुछ लोग बैठकर बड़ी वारदात की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और छिपकर संदिग्धों की बातचीत सुनी। पुलिस के मुताबिक, दोनों बदमाश आपस में सर्राफा दुकान का शटर तोड़कर लूट करने और अपने तीसरे साथी के आने का इंतजार करने की बात कर रहे थे।

साण्डी में लापता किसान का शव नाले में मिला

हरदोई। हरदोई के साण्डी थाना क्षेत्र के कोले गांव में रविवार शाम से लापता 65 वर्षीय किसान रघुनाथ का शव सोमवार दोपहर गर्रा नदी से निकले नाले में तैरता मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरवाया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

किसान की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा।

त्योहारों से पहले हरदोई में पटाखा दुकानों और गोदामों की जांच

स्टॉक रजिस्टर से लाइसेंस तक चेक किए, फायर एक्सटिंग्विशर खराब मिले तो तुरंत ठीक कराने के निर्देश

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में आने वाले त्योहारों को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। आगजनी और अन्य हादसों को रोकने के लिए रविवार रात शहर में पटाखा दुकानों और थोक व्यापारियों के गोदामों की जांच की गई। सोमवार दोपहर 2 बजे दमकल अधिकारी ने बताया कि अभियान के दौरान अधिकारियों ने दुकानों में सुरक्षा इंतजामों की बारीकी से जांच की। एसडीएम सदर आशुतोष के नेतृत्व में टीम ने खदरा, बिलग्राम चुंगी और बावन चुंगी में स्थित पटाखा दुकानों और गोदामों का निरीक्षण किया। टीम में सीओ सिटी अजीत सिंह और दमकल अधिकारी शिवराम सिंह यादव के साथ कोतवाली पुलिस और अन्य प्रशासनिक कर्मचारी

शामिल रहे। अधिकारियों ने दुकानदारों के स्टॉक रजिस्टर, खरीद-बिक्री का रिकॉर्ड और पटाखों के लाइसेंस की जांच की। दुकानों में लगे फायर एक्सटिंग्विशर भी चेक किए गए। जहां अग्निशमन यंत्र खराब मिले, उन्हें तत्काल ठीक कराने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने दुकानदारों को तय सीमा से अधिक बारूद और पटाखों का स्टॉक नहीं रखने की हिदायत दी। साथ ही भीड़भाड़ वाली जगहों से दूर और हवादार स्थान पर पटाखे रखने के निर्देश दिए गए। एसडीएम ने कहा कि पटाखों का कारोबार बेहद संवेदनशील है। थोड़ी सी लापरवाही भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। सुरक्षा नियमों के तहत दुकानों में रेत से भरी बाल्टियां और पर्याप्त पानी की व्यवस्था होना जरूरी है। बिजली की वायरिंग भी सुरक्षित और मानकों के अनुरूप होनी चाहिए। अधिकारियों ने दुकानदारों को दुकानों के आसपास 'धूम्रपान मना है' के बोर्ड लगाने के निर्देश भी दिए। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान पटाखा कारोबारियों में हड़कंप की स्थिति रही। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था से किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा।

गणेश प्रतिमाओं पर चढ़ा आस्था का रंग

7 दिन बाद स्थापना, नागराज-चंद्रमा वाले गणेश की सबसे ज्यादा डिमांड

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के शुक्लागंज में गणेश चतुर्थी को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। पर्व में अब सिर्फ सात दिन बाकी हैं और नगर में भगवान गणेश की प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने का काम चल रहा है। बाबा कुटी गांव के पास बंगाल से आए मूर्तिकार और उनके साथी करीब तीन महीने से प्रतिमाएं तैयार कर रहे हैं। दिन-रात मेहनत कर मूर्तिकार गणेश जी के अलग-अलग स्वरूपों को आकार और रंग दे रहे हैं। शुक्लागंज के अलावा उन्नाव, कानपुर, कन्नौज और आसपास के जिलों से लोग प्रतिमाओं की बुकिंग करा रहे हैं। बाबा कुटी के पास प्रतिमाएं तैयार कर रहे बंगाल के मूर्तिकार समीर पॉल ने बताया कि गणेश चतुर्थी के लिए करीब तीन महीने पहले से काम शुरू कर दिया गया था। उनके साथ आठ से दस कारीगर

लगातार प्रतिमाएं बनाने में जुटे हैं। अब पर्व नजदीक आने के कारण प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने का काम तेज कर दिया गया है। इस बार मूर्तिकारों ने भगवान गणेश के कई आकर्षक स्वरूप तैयार किए हैं। नागराज पर बैठे गणेश, चंद्रमा पर विराजमान गजानन, कमल पर सवार गणपति और मूषक के साथ अलग-अलग मुद्राओं वाली प्रतिमाएं लोगों को पसंद आ रही हैं। मूर्तिकारों के मुताबिक नागराज, कमल और चंद्रमा वाले स्वरूपों की बुकिंग सबसे ज्यादा हो रही है। गणेश चतुर्थी का पर्व 14 सितंबर को मनाया जाएगा। इसे लेकर राजधानी मार्ग, पोनी रोड, ब्रह्मनगर, गांधीनगर, मिश्रा कॉलोनी, चंपापुरवा, नेहरूनगर, अंबिकापुरम, गायत्री नगर, भातृ फार्म, मझरा और कटरी क्षेत्र में पंडाल बनाए जा रहे हैं। नगर में करीब आधा दर्जन बड़े गणेश पंडालों का काम कई दिनों से चल रहा है। आयोजन को लेकर खासकर युवाओं में उत्साह देखने को मिल रहा है।

3,500 से 30 हजार रुपए तक की प्रतिमाएं तैयार

मूर्तिकारों ने इस बार अलग-अलग आकार और डिजाइन की प्रतिमाएं बनाई हैं। इनकी कीमत करीब 3,500 रुपये से शुरू होकर 30 हजार रुपये तक है। कई प्रतिमाओं की पहले ही बुकिंग हो चुकी है। उन्नाव, कानपुर, कन्नौज समेत आसपास के जिलों से लोग यहां पहुंचकर अपनी पसंद की प्रतिमाएं बुक करा रहे हैं।

इस बार गणेश प्रतिमाओं में नए स्वरूपों को लेकर खास उत्साह है। नागराज पर बैठे गणेश, चंद्रमा पर विराजमान गजानन, कमल पर सवार गणपति और मूषक के साथ अलग-अलग मुद्राओं वाली प्रतिमाएं तैयार की गई हैं। इनमें नागराज, कमल और चंद्रमा वाले स्वरूपों की मांग सबसे ज्यादा बताई जा रही है।

पिकअप ने 4 साल की बच्ची को रौंदा

हरदोई में मौत के बाद हाईवे पर शव रखकर जाम

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से चार साल की बच्ची माही की मौत हो गई। हादसे से नाराज परिजनों ने आरोपी चालक की गिरफ्तारी और कार्रवाई की मांग को लेकर सोमवार सुबह करीब 9 बजे लखनऊ-पलिया नेशनल हाईवे पर चांद बेहटा गांव के सामने शव रखकर जाम लगा दिया। परिजनों के सड़क पर बैठते ही हाईवे के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। करीब 45 मिनट तक इस मार्ग पर आवागमन प्रभावित रहा। जाम की सूचना मिलते ही सीओ सिटी अजीत सिंह और शहर कोतवाल संजय त्यागी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों को सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया।

महिलाओं ने सड़क पर बैठकर रास्ता जाम किया, कई घंटे फंसे रहे वाहन।

इसके बाद परिजन शांत हुए और जाम खोल दिया। पुलिस के अनुसार, हादसा करने वाले वाहन को जब्त कर लिया गया है और फरार चालक की तलाश की जा रही है। घटना शहर कोतवाली क्षेत्र की है।

सरयू नदी खतरे के निशान से 37 सेमी ऊपर

60 गांव बाढ़ और कटान की चपेट में आए, कई इलाकों में आवागमन ठप

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। जिले में लगातार हो रही तेज बारिश और बैराजों से छोड़े जा रहे पानी के कारण सरयू नदी एक बार फिर उफान पर पहुंच गई है। नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंचने के बाद तराई क्षेत्र में बाढ़ का संकट गहराता जा रहा है। जिले के करीब 60 गांव बाढ़ और कटान से प्रभावित बताए जा रहे हैं। कई गांवों में लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं, जबकि प्रमुख संपर्क मार्गों पर पानी भरने से आवागमन भी प्रभावित हुआ है। सोमवार सुबह 8 बजे एल्गिन ब्रिज पर सरयू नदी का जलस्तर 106.420 मीटर दर्ज किया गया। नदी का खतरे का निशान 106.070 मीटर है। इस तरह सरयू का जलस्तर खतरे के निशान से करीब 35 सेंटीमीटर ऊपर बना हुआ है। नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए तराई क्षेत्र के ग्रामीणों में बाढ़ को लेकर चिंता बढ़ गई है। बाराबंकी के

तराई क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति बिगड़ने की एक बड़ी वजह बैराजों से लगातार पानी छोड़ा जाना भी है। प्रशासन के मुताबिक गिरिजा, शारदा और सरयू बैराज से करीब 3,78,800 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। इसके चलते नदी के जलस्तर में और बढ़ोतरी होने की आशंका बनी हुई है। प्रशासन के अनुसार नेपाल से लगातार पानी छोड़े जाने के कारण भी सरयू नदी का दबाव बढ़ा है। नदी में पानी बढ़ने से निचले इलाकों और नदी के आसपास बसे गांवों में बाढ़ का खतरा लगातार बना हुआ है। प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों पर निगरानी बढ़ा दी है और अधिकारियों को स्थिति पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। बारिश की बात करें तो जिले के अलग-अलग हिस्सों में भी वर्षा हुई है। प्रशासन के अनुसार नवाबगंज तहसील में 3 मिलीमीटर और फतेहपुर में 38 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा हैदरगढ़, रामनगर और सिरौलीगौसपुर क्षेत्र में भी बूंदाबांदी हुई है। लगातार बारिश और बैराजों से छोड़े गए पानी के कारण तराई क्षेत्रों में पहले से मौजूद जलभराव की स्थिति और गंभीर हो गई है। ग्रामीण इलाकों में लोगों को अपने रोजमर्रा के काम के लिए भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सरयू के बढ़े जलस्तर का असर जिले के तराई क्षेत्र के दर्जनों गांवों में दिखाई दे रहा है। मदरहा, बल्लीपुर, पर्वतपुर, सुबेदार-पुरवा, कोटारी गौरिया,

चौसीपुरवा, गायघाट, बतनेरो, कलहंसपुरवा, गोबरहा, सनवा, अकोना, सरसंडा, टेपरा, भैरोकोल, परसावल, गेदरापुर, सराय, सुरजन, लोढ़मऊ और अतरौली समेत कई गांव बाढ़ और कटान की स्थिति से प्रभावित हैं। इन क्षेत्रों में नदी का पानी बढ़ने के साथ ग्रामीणों के सामने आवागमन और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने की चुनौती खड़ी हो गई है। कुछ स्थानों पर पानी गांवों के संपर्क मार्गों तक पहुंच गया है, जिससे लोगों को आने-जाने में दिक्कत हो रही है। बाढ़ का असर ग्रामीण संपर्क मार्गों पर भी पड़ने लगा है। कचनापुर-हेतमापुर मार्ग पर पानी भर जाने के कारण आवागमन पूरी तरह ठप हो गया है। सड़क पर पानी आने के बाद इस मार्ग से गुजरने वाले ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा बेलहरी, बाबा पुरवा, केदारीपुर और बलाईपुर गांवों में भी बाढ़ की स्थिति ज्यादा गंभीर बताई जा रही है।

मुश्किलें : उन्नाव में नए इलाकों में घुसा बाढ़ का पानी, गलियों में नाव चल रही

उन्नाव में खतरे के निशान के करीब पहुंची गंगा

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। जिले में गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से एक बार फिर बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। गंगा किनारे बसे ग्रामीण और शहरी इलाकों में पानी बढ़ने से लोगों की मुश्किलें लगातार बढ़ रही हैं। कई ऐसे क्षेत्रों में भी बाढ़ का पानी पहुंच गया है, जहां कुछ दिन पहले जलस्तर कम होने के बाद स्थिति सामान्य होने लगी थी। कई स्थानों पर नाव की व्यवस्था नहीं होने के कारण ग्रामीणों और स्थानीय लोगों को पानी के बीच से होकर आवागमन करना पड़ रहा है। पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश के कारण बांधों में पानी का दबाव बढ़ गया है। दबाव कम करने के लिए बांधों से पानी छोड़ा जा रहा है, जिसका सीधा असर गंगा के जलस्तर पर पड़ रहा है। इसके

अलावा कानपुर स्थित गंगा बैराज के सभी गेट खोले जाने के बाद उन्नाव में नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा है। प्रशासन और केंद्रीय जल आयोग की निगरानी के बीच नदी अब खतरे के निशान के बेहद करीब पहुंच चुकी है। गंगा के जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि शनिवार शाम छह बजे नदी का जलस्तर 112.37 मीटर दर्ज किया गया था। रविवार शाम छह बजे तक यह बढ़कर 112.52 मीटर हो गया। इसके बाद सोमवार सुबह गंगा का जलस्तर 112.620 मीटर तक पहुंच गया। इस तरह महज 12 घंटे के दौरान गंगा के जलस्तर में करीब 10 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। केंद्रीय जल आयोग ने सोमवार को जलस्तर के 112.65 मीटर तक पहुंचने की संभावना जताई है। लगातार बढ़ते पानी को देखते हुए गंगा किनारे बसे गांवों और मोहल्लों में रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है। गंगा के लगातार बढ़ते जलस्तर के कारण नदी अब खतरे के निशान के काफी करीब पहुंच गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि इसी गति से पानी बढ़ता रहा तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

खासकर नदी के किनारे बसे निचले इलाकों में पानी पहुंचने से ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की जरूरत पड़ सकती है। पहाड़ी इलाकों में हो रही बारिश और बांधों से पानी छोड़े जाने के कारण आने वाले दिनों में भी गंगा के जलस्तर पर दबाव बने रहने की संभावना है। ऐसे में प्रशासन को नदी किनारे बसे इलाकों में निगरानी और राहत व्यवस्था बढ़ानी पड़ सकती है। गंगा का बढ़ता पानी अब श्रीनगर इलाके तक पहुंच गया है। यहां कई घरों के सामने पानी भर गया है। इससे स्थानीय लोगों को घरों से बाहर निकलने और रोजमर्रा के काम के लिए आने-जाने में परेशानी हो रही है। पानी बढ़ने के कारण लोगों को जलभराव वाले रास्तों से होकर गुजरना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जलस्तर कम होने के बाद कुछ राहत मिली थी, लेकिन दोबारा पानी बढ़ने से परेशानी फिर शुरू हो गई है।

उन्नाव के गंगा पुल की उखड़ी सड़क पर माला चढ़ाई

मरम्मत के बाद भी सड़क उखड़ने से नाराज युवाओं ने हादसे का खतरा बताया

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में कानपुर और उन्नाव को जोड़ने वाले शुक्लागंज गंगा पुल की खराब सड़क को लेकर लोगों की नाराजगी बढ़ती जा रही है। पुल की सड़क कई जगह से टूट चुकी है। जगह-जगह गहरे गड्ढे और टूटे हिस्से लोगों के लिए परेशानी बने हुए हैं। सोमवार दोपहर दो बजे कुछ युवाओं ने पुल पर प्रदर्शन किया। उन्होंने जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी की और सड़क की जल्द मरम्मत की मांग की। प्रदर्शन के दौरान युवाओं ने पुल के बीच उखड़ी सड़क पर माला चढ़ाकर अलग तरीके से अपना विरोध जताया। युवाओं ने कहा कि पुल की हालत लंबे समय से खराब है। लेकिन, जिम्मेदार विभाग समस्या

का पक्का हल नहीं निकाल पा रहा है। उनका आरोप है कि सड़क की मरम्मत कई बार कराई गई, लेकिन कुछ समय बाद ही सड़क दोबारा टूट जाती है। इससे काम की गुणवत्ता पर भी सवाल उठ रहे हैं। शुक्लागंज गंगा पुल कानपुर और उन्नाव के बीच आने-जाने का मुख्य रास्ता है। इस पुल से रोजाना हजारों लोग दोपहिया, चारपहिया और दूसरे वाहनों से गुजरते हैं। सड़क टूटी होने के कारण वाहन चालकों को गड्ढों से बचकर निकलना पड़ता है। खासकर दोपहिया वाहन सवारों के लिए हालात ज्यादा खतरनाक बने हुए हैं। अचानक गड्ढा सामने आने पर वाहन का संतुलन बिगड़ने से हादसा होने का डर बना रहता है। प्रदर्शन कर रहे युवाओं ने कहा कि पुल की सड़क को सिर्फ ऊपर से पैचवर्क करके छोड़ने के बजाय अच्छी गुणवत्ता के साथ ठीक किया जाना चाहिए। उनका कहना था कि अगर समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई, तो आने वाले दिनों में समस्या और बढ़ सकती है। युवाओं ने बड़े हादसे का डर भी जताया। उन्होंने चेतावनी दी कि पुल पर लगातार वाहनों का दबाव रहता है और सड़क की हालत लगातार खराब हो रही है।

सम्पादकीय

जर्जर तंत्र

देश की राजधानी के सत्य निकेतन क्षेत्र में जिस तरह एक बहुमंजिला इमारत ढह गई, उसने उस तंत्र की पोल फिर से खोल दी, जो न तो जर्जर भवनों की निगरानी कर पा रहा है और न ही ऐसे भवनों में होने वाले निर्माण को रोक पा रहा है। सत्य निकेतन इलाके में जो जर्जर बहुमंजिला भवन गिरा, उसके बेसमेंट में काम चल रहा था। इसका अर्थ है कि कोई यह देखने वाला नहीं था कि बरसात के इस मौसम में एक जर्जर इमारत में निर्माण जोखिम भरा हो सकता है।

चूंकि इस भवन के पिलर के साथ नींव भी कमजोर थी, इसलिए वह नाजुक स्थिति में था। बरसात ने स्थिति और नाजुक कर दी। दिल्ली में ऐसे भवनों की कमी नहीं, जो जर्जर हालत में हैं और जिनमें नियमों के विरुद्ध काम भी होता रहता है। कुछ ही महीने पहले साकेत मेट्रो स्टेशन के निकट एक पांच मंजिला अवैध इमारत उस समय गिर गई थी, जब उसमें निर्माण हो रहा था। इसमें छह छात्रों की जान गई थी। सत्य निकेतन इलाके में गिरी इमारत में भी जनहानि हुई है। दुर्योग से यहां भी मरने और घायल होने वाले छात्र ही हैं, जो पेइंग गेस्ट के रूप में रह रहे थे।

दिल्ली में एक और जर्जर भवन गिरने के बाद शोक संवेदनाओं के साथ दोषी लोगों के खिलाफ कार्रवाई की बातें खूब सुनाई दे रही हैं। दिल्ली सरकार के मत्रियों के साथ नगर निगम के अधिकारी दोषी लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की बातें कर रहे हैं, लेकिन इस तरह के हादसों के बाद सदैव ही ऐसा सुनने को मिलता है और फिर पता चलता है कि एक और हादसा हो गया। दिल्ली में जर्जर भवन इसके बाद भी गिरते हैं कि नगर निगम समय-समय पर और खास तौर पर बरसात के पहले ऐसे भवनों का सर्वेक्षण करता है। कोई भी समझ सकता है कि ऐसे सर्वेक्षण महज खानापूरी होते हैं।

जर्जर भवनों के खड़े रहने या उनमें नया निर्माण कार्य होने देने के लिए जितना दोष शासन-प्रशासन का है, उतना ही लालची भवन स्वामियों का। भवन स्वामी नियमों के विरुद्ध जाकर निर्माण करने में इसलिए समर्थ रहते हैं, क्योंकि शासन इसके विरुद्ध सख्त नहीं और प्रशासन में भ्रष्ट तत्वों का बोलबाला है। आम तौर पर ये तत्व कुछ ले-देकर न केवल हर तरह का निर्माण होने देते हैं, बल्कि गिराए जा सकने वाले जर्जर भवनों की अनदेखी भी कर देते हैं। इसका नतीजा भवनों के ढहने और लोगों की मौतों के रूप में सामने आता है।

मानकों के खिलाफ और घटिया निर्माण दिल्ली ही नहीं, सारे देश की समस्या है। यह विचित्र है कि देश में अंग्रेजों और उसके पहले के भी शासकों की ओर से बनवाए गए भवन सही-सलामत हैं, लेकिन 30-40 वर्ष पुरानी इमारतें ढह जा रही हैं। यह शर्मनाक है कि जब समय के साथ भवनों का कहीं अधिक टिकाऊ और मजबूत निर्माण सुनिश्चित किया जाना चाहिए, तब उलटी गंगा बह रही है।

सत्य निकेतन हादसाः जिम्मेदार अधिकारियों पर हो ठोस कार्रवाई

> सरकारी भवन भी सुरक्षित नहीं तो आम आदमी किस पर भरोसा करे? मई 2024 में दिल्ली के आईटीओ स्थित सेंट्रल रेवेन्यू बिल्डिंग में आग लगी थी। 46 वर्षीय ऑफिस सुपरिंटेंडेंट की धुएं में दम घुटने से मृत्यु हुई थी।

दिल्ली के सत्य निकेतन में रविवार को पांच मंजिला छात्र-पीजी भवन का भरभराकर गिर जाना केवल एक दर्दनाक हादसा नहीं है। यह उस व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न है, जो भवन बनने देती है, उसमें अनधिकृत निर्माण होने देती है, उसमें विद्यार्थियों को रहने देती है, उसकी कमजोरियों को वर्षों तक नजरअंदाज करती है और फिर उसके ढह जाने के बाद जागती है। इस हादसे में अब तक छह लोगों की मौत की सूचना है और कई लोग घायल हुए हैं। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार भवन में बेसमेंट और कई ऊपरी मंजिलों में मरम्मत या निर्माण संबंधी काम चल रहा था। प्रशासन ने मजिस्ट्रेट जांच और भवन मालिक के खिलाफ एफआईआर के आदेश दिए हैं। लेकिन असली सवाल यह नहीं है कि हादसे के बाद किसके खिलाफ एफआईआर होगी? असली सवाल यह है कि हादसे से पहले जिम्मेदार अधिकारी कहां थे? यदि निर्माण नियमों का उल्लंघन था, यदि भवन का स्वीकृत नक्शा नहीं था, यदि अतिरिक्त मंजिलें बनाई गई थीं, यदि बेसमेंट में निर्माण चल रहा था, यदि भवन छात्रों के रहने के लिए इस्तेमाल हो रहा था और यदि वह संरचनात्मक रूप से जोखिमपूर्ण था, तो इन सबका पता प्रशासन को तब क्यों नहीं चला जब वहां निर्माण हो रहा था?

सत्य निकेतन दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर के आसपास विद्यार्थियों का प्रमुख इलाका है। देश के विभिन्न राज्यों से हजारों युवा यहां अपने भविष्य के सपने लेकर आते हैं। वे छोटे-छोटे कमरों, पीजी और किराये के मकानों में रहकर पढ़ते हैं। उनके माता-पिता अपनी जीवनभर की कमाई का बड़ा हिस्सा बच्चों की शिक्षा पर लगाते हैं और यह विश्वास करते हैं कि राजधानी में उनका बच्चा सुरक्षित रहेगा। लेकिन जब शिक्षा की तलाश में निकला युवा एक ऐसी इमारत में पहुंचता है, जिसकी नींव ही नियमों और सुरक्षा के साथ समझौते पर टिकी हो, तो विकास की हमारी पूरी अवधारणा कटघरे में खड़ी हो जाती है और यह कोई पहली चेतावनी नहीं है। 2022 में भी सत्य निकेतन में निर्माणाधीन चार मंजिला इमारत ढहने से दो मजदूरों की मौत हुई थी और चार लोग घायल हुए थे। उस समय भी निर्माण कार्य, सुरक्षा और भवन की निगरानी पर सवाल उठे थे। लगभग चार साल बाद उसी इलाके में फिर एक बड़ी इमारत ढह गई। इसका अर्थ है कि हमने घटना से सबक लेने के बजाय घटना को एक समाचार की तरह देखा और आगे बढ़ गए।

यहां भ्रष्टाचार की बात करते समय एक सावधानी भी जरूरी है। किसी अधिकारी या व्यवसायी को बिना जांच दोषी ठहराना उचित नहीं। लेकिन यदि जांच में यह सिद्ध होता है कि नियमों के विरुद्ध निर्माण को जानबूझकर नजरअंदाज किया गया, निरीक्षण में लापरवाही हुई या किसी प्रकार की मिलीभगत रही, तो जिम्मेदारी केवल भवन मालिक तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। जिसने नियम तोड़े और जिसने नियम तोड़ने दिए-दोनों को जवाबदेह बनाना होगा। सत्य निकेतन की त्रासदी को जुलाई 2024 के पुराने राजेंद्र नगर हादसे से अलग करके नहीं देखा जा सकता। वहां राव आईएएस स्टडी सर्किल के बेसमेंट में पानी भर जाने से तीन सिविल सेवा अभ्यर्थियों-तनीया सोनी, श्रेया यादव और नवीन डालविन की मृत्यु हुई थी। सबसे भयावह तथ्य यह था कि बेसमेंट का उपयोग लाइब्रेरी के रूप में हो रहा था, जबकि उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार उसे पार्किंग और स्टोरेज के लिए इस्तेमाल किया जाना था। इससे भी अधिक चिंताजनक बात सामने आई-हादसे से लगभग एक महीने पहले एक विद्यार्थी ने एमसीडी में शिकायत की थी। भारत में भवन निर्माण के लिए नियमों की कमी नहीं है। नक्शा स्वीकृति, भवन उपविधियां, अग्नि सुरक्षा, संरचनात्मक सुरक्षा, अधिभोग प्रमाणपत्र, पार्किंग, बेसमेंट के उपयोग-हर क्षेत्र के लिए नियम हैं। लेकिन समस्या नियमों की संख्या नहीं, उनके पालन की ईमानदारी है। जब किसी भवन में एक मंजिल की अनुमति हो और चार-पांच मंजिलें खड़ी हो जाएं, जब बेसमेंट स्टोरेज के लिए स्वीकृत हो और वहां लाइब्रेरी या व्यावसायिक गतिविधि चलने लगे, जब सड़क की जलनिकासी बाधित हो और फिर भी निर्माण चलता रहे-तो सवाल केवल नागरिक की मनमानी का नहीं है। सवाल उस पूरी निगरानी व्यवस्था का है, जो आंखों के सामने होने वाले बदलाव को देखने के बावजूद समय पर कार्रवाई नहीं करती। भ्रष्टाचार केवल रिश्वत लेने का नाम नहीं है। भ्रष्टाचार वह भी है जब कोई जिम्मेदार व्यक्ति अपने कर्तव्य को जानबूझकर न निभाए। किसी अवैध निर्माण को देखकर आंखें बंद कर लेना भी व्यवस्था के प्रति अपराध है। किसी भवन को जोखिमपूर्ण जानते हुए कार्रवाई न करना भी भ्रष्ट प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा है। रिपोर्टों के अनुसार भवन पुराना था और उसमें आधुनिक फायर-स्प्रिंकलर व्यवस्था भी नहीं थी। यह घटना एक और सवाल सामने रखती है-जब सरकारी भवनों में भी सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त नहीं है, तो निजी और अनधिकृत भवनों की निगरानी की स्थिति क्या होगी? मुंबई, दिल्ली, चेन्नई, बेंगलुरु और देश के अन्य महानगरों में अनियोजित शहरी विस्तार लगातार बढ़ रहा है। जमीन सीमित है, जनसंख्या बढ़ रही है, किराये की मांग बढ़ रही है और व्यावसायिक हित अधिकतम जगह का अधिकतम उपयोग चाहते हैं। ऐसे में यदि शासन मजबूत नियमन और वैज्ञानिक शहरी नियोजन नहीं करेगा तो शहर ऊपर की ओर बढ़ेंगे, लेकिन उनकी सुरक्षा नीचे गिरती जाएगी। दुर्घटना के बाद वही परिचित दृश्य सामने आता है-मंत्री घटनास्थल पर पहुंचते हैं, अधिकारी बैठक करते हैं, मुआवजे की घोषणा होती है, जांच समिति बनती है, कुछ भवन सील होते हैं, कुछ गिरफ्तारियां होती हैं और कुछ दिनों तक प्रशासन सक्रिय दिखाई देता है। फिर धीरे-धीरे सब सामान्य हो जाता है। लेकिन किसी मृत विद्यार्थी के माता-पिता के लिए कुछ भी सामान्य नहीं होता। उनके लिए वह एक जांच समिति नहीं, जीवनभर का खालीपन है। उनके लिए मुआवजे की राशि उनके बेटे या बेटी का विकल्प नहीं है।

ललित गर्ग

अत्यधिक सोच

होता क्या हैं इसको मैं समस्या के सन्दर्भ में लें रहा हुँ वर्तमान परिप्रेक्ष्य में और उसका निदान क्या हो सकता हैं आदि यह चिन्तन में मानव बहुत बार ज़्यादा ही उलझ जाता हैं जिससे समाधान सामने होते हुए भी वह निर्णायक स्थिति में नहीं आ पाते हैं । कई बार समस्या लम्बे समय तक रह जाती है और निदानकर्ता समाधान में उसको अपने मान - सम्मान व स्वाभिमान आदि की सोच में अत्यधिक उलझे रहते हैं या सोचते ज़्यादा हैं और निदानकर्ता के बिना समाधान कूछ होना नहीं हैं । परिवार व प्रभावित पक्ष के रिश्तेदार आदि आपस में बात करते रहते हैं या बात से किनारा कर लेते हैं आदि लेकिन समाधान जानते हुए भी होने में सहयोगी नहीं बनते हैं । निदानकर्ता के बिना कूछ होना नहीं हैं या वो समाधान सामने समस्या में होते हुए भी वह देख समझ नहीं पाता अत्यधिक सोचता रहता हैं । जिसको हम अंग्रेजी में Overthinking Mode कहते हैं व इसको मैं मेरे चिन्तन से यह तथ्यहीन अविवेक का चिन्तन कहूँ तो अतिस्योक्ति नहीं होगी । यह स्थिति परिवार , समाज आदि में देखने को मिलती हैं जो की किसी के लियें हो हितकर नहीं हैं चिंतनीय हैं । अत्यधिक सोच को या बोझिल चिन्तन को छोड़ कर सोच सकारात्मक से सींचन करे हम सुलझ जाती हर किसीकी कैसी भी हो उलझन। सुख और दुःख धूप-छाया की तरह सदा इंसान के साथ रहते हैं । लंबी जिन्दगी में खट्ठे-मीठे पदार्थों के समान दोनों का स्वाद चखना होता है । सुख-दुःख के सह-अस्तित्व को आज तक कोई मिटा नहीं सका है । जीवन की प्रतिमा को सुन्दर और सुसज्जित बनाने में सुख और दुःख आभूषण के समान है इस स्थिति में सुख से प्यार और दुःख से घृणा की मनोवृत्ति ही अनेक समस्याओं का कारण बनती है और इसी से जीवन उलझनभरा प्रतीत होता है । जरूरत है हमें इन दोनो स्थितियों के बीच सही से संतुलन स्थापित करने की व सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की । एक दुखी आदमी अत्यधिक सोच वाला अपनी बात को बताकर सामने वाले से हाँ करवाने वाले आदमी की तलाश में रहता है।

› प्रदीप छाजेड़

इसलिए दो अलग ...

पंकज जायसवाल

जीडीपी का 7.8% सच, 2.6% का सवाल और 86 से 80 लाख करोड़ की कहानी

अभी कुछ दिन पहले जब वित्तीय वर्ष 26-27 के पहली तिमाही जीडीपी आंकड़े के साथ रियल जीडीपी 7.8 फीसदी की घोषणा सरकार के द्वारा की गई तो इसके आलोचना में पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग के बयान ने इसे काफी विवादित बना दिया। मैंने इसी विवाद के पार्श्व में क्या सच्चाई है, इसे समझने और समझाने दोनों की कोशिश की है. मैंने जीडीपी घोषणा के दिन सुभाष चंद्र गर्ग क्या कह गए और विवाद के बाद दिए अपने एक पॉडकास्ट इंटरव्यू में उन्होंने क्या कहा, उसको भी सुना। दरअसल जीडीपी घोषणा वाले दिन टीवी पर सुभास चंद्र गर्ग ने सरकार की मंशा पर सवाल उठा इस बात पर क्लेम किया कि सरकार ने चूँकि इस तिमाही का जीडीपी ग्रोथ ज्यादा दिखाना था, इसलिए पिछले वर्ष की पहली तिमाही का जीडीपी का डाटा 86.05 लाख करोड़ से घटाकर 80 लाख करोड़ कर दिया ताकि इस वित्त वर्ष के 88.27 लाख करोड़ से इसकी तुलना करें तो ग्रोथ ज्यादा दिखे। ऐसा कह के उन्होंने सरकार की मंशा पर ही सवाल खड़ा कर 7.8 के ग्रोथ को गलत बताते हुए नॉमिनल जीडीपी के ग्रोथ को १०.३ फीसदी की जगह 2.6 बताया। हालांकि पहली तिमाही वित्तीय वर्ष 2026-27 की रियल जीडीपी 81.36 लाख करोड़ और पहली तिमाही वित्तीय वर्ष 2025-26 की तुलनीय रियल जीडीपी 75.46 लाख करोड़ है। इससे रियल जीडीपी ग्रोथ 7.8 प्रतिशत निकलती है। हालाँकि इसके बाद दिए गए पॉडकास्ट इंटरव्यू में वे मंशा वाले सवाल से हट कर आंकड़ों की पारदर्शिता की बात करते दिखाई दिए और इस बात पर जोर दिया कि नॉमिनल जीडीपी का आंकड़ा 86.05 लाख से कैसे 80 लाख करोड़ पहुंचा, इसको सरकार को बताना चाहिए। श्री गर्ग के बयान के बाद मीडिया ने भी गलत तरीके से इसे पेश किया कि जीडीपी ग्रोथ 7.8 फीसदी नहीं, 2.6 फीसदी है जबकि उस दिन श्री गर्ग 2.6 फीसदी नॉमिनल जीडीपी आंकड़े के लिए कह रहे थे. रियल जीडीपी के आंकड़े तो उनके हिसाब से शून्य आ रहे थे. चूँकि श्री गर्ग वित्त सचिव थे तो मीडिया विपक्ष सबने इनके बयान को गंभीरता से लिया और देश में जीडीपी के आंकड़े को लेकर भ्रम पैदा हो गया. मैंने अपने अध्ययन में पाया कि पहले दिन टीवी में बोलते वक्त श्री गर्ग फंडामेंटली गलती कर गये. जब भी जीडीपी की नई सीरीज आती है उसकी विधि, उसके डाटा सोर्स, उसके डाटा बास्केट सब उन्नत हो जाते हैं. इसलिए दो अलग अलग बेस वर्ष के सीरीज के जीडीपी डाटा एक दूसरे के लिए तुलनीय नहीं होते और अगर तुलनीय बनाना ही है तो या तो दो वर्ष के जीडीपी डाटा को किसी एक सीरीज के हिसाब से समायोजित करना पड़ेगा। ऐसे में या तो आप वर्ष 26-27 के आंकड़े को जो आपने नई बेस सीरीज 22-23 के हिसाब से निकालिये और फिर पुराने 11-12 सीरीज के हिसाब से निकाले गए डाटा 86.05 लाख करोड़ से तुलना करिए या आप 26-27 के डाटा को 22-23 के नए सीरीज के विधि, बास्केट और डाटा सोर्स के हिसाब से ही रहना दीजिये और पुराने सीरीज से निकाले गए वित्तीय वर्ष 25-26 के डेटा को नई बेस सीरीज के विधि, डाटा सोर्स और डाटा बास्केट के हिसाब से समायोजित कर नए डाटा से तुलना योग्य डाटा निकालिये। और सरकार ने यही किया. पहली तिमाही वर्ष 25-26 के डाटा को तुलनीय बनाने के लिए नई बेस सीरीज के गणना विधि, डाटा सोर्स और डाटा बास्केट के हिसाब से समायोजित कर 80 लाख करोड़ का डाटा निकाला और फिर तुलना की । इसे मैं एक व्यावहारिक आंकड़े से समझाता हूँ. कुछ वर्ष पूर्व भारत में बड़ी कंपनियों के लिए नए एकाउंटिंग मानक लागू हुए. जब ये लागू हुए तो वर्तमान वर्ष के लाभ हानि और बैलेंस शीट तो इस नए एकाउंटिंग मानक के हिसाब से बन गए और ऑडिट हो गए. चूँकि कंपनियों को अपने बैलेंस शीट में वर्तमान वर्ष और पिछले वर्ष दो वर्ष का डाटा दिखाना होता है तो वहां दिक्कत आ रही थी क्यूंकि वर्तमान वर्ष का लाभ हानि और बैलेंस शीट नए लेखा मानक पर था और पिछले वर्ष का पूरा आंकड़ा पुराने लेखा मानक के हिसाब से था. इसलिए दोनों की तुलना बैलेंस शीट रीडर के लिए गलत हो जाता। ऐसे में यह रास्ता निकाला गया कि पिछले वर्ष के ऑडिटेड डाटा को भी नए लेखा मानक के हिसाब से ट्रांसलेट कर के ही बैलेंस शीट में दिखाए जाएँ ना कि पुराने आंकड़े को जस का तस. और ऐसा कर के कंपनियों ने अपने पिछले वर्ष के आकड़े को वर्तमान वर्ष के आकंड़े से तुलनीय बनाया। ऐसे में यह बहुत सामान्य है कि अगर दो वर्षों के डाटा में विधि, मानक, डाटा सोर्स या डाटा बास्केट बदला हुआ है तो दोनों में से किसी एक को तो समायोजित कर दोनों डाटा को एक मानक एक तराजू पर तो लाना ही पड़ेगा, तभी तुलना हो सकती है.

दृष्टिकोण को ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

स्वरोजगार से स्वावलंबन-जनपद मेरठ में युवा उद्यमिता और औद्योगिक आत्मनिर्भरता का नया क्षितिज

उत्तर प्रदेश के समकालीन आर्थिक परिदृश्य में आया गुणात्मक परिवर्तन राज्य की युवा शक्ति को उद्यमशीलता, स्वरोजगार और औद्योगिक आत्मनिर्भरता की मुख्यधारा से जोड़ने की सुविचारित प्रशासनिक रणनीति का प्रतिफल है। प्रदेश सरकार का स्पष्ट संकल्प है कि युवाओं को केवल आजीविका हेतु रोजगार तलाशने की विचारधारा से बाहर निकालकर उन्हें स्वावलंबी उद्यमी और रोजगार प्रदाता के रूप में तैयार किया जाए। इसके लिए अंतर्विभागीय समन्वय स्थापित करते हुए राज्य में एक पारदर्शी, सुरक्षित और नवाचार-अनुकूल औद्योगिक परिवेश का निर्माण किया गया है, जो युवाओं को स्थानीय स्तर पर नए अवसर प्रदान कर रहा है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश का औद्योगिक जनपद मेरठ इस नीतिगत रूपांतरण के एक प्रमुख और जीवंत केंद्र के रूप में उभरकर सामने आया है। जनपद मेरठ के जानी खुर्द विकास खंड स्थित अघेड़ा गांव के युवा उद्यमी भारत चौधरी की सफलता इस बात का प्रमाण है कि यदि युवा संकल्प को प्रदेश सरकार की नीतियों का संस्थागत संबल प्राप्त हो जाए, तो स्थानीय स्तर पर शुरू हुआ एक साधारण प्रयास भी वैश्विक पटल पर अमिट पहचान बना सकता है।

भारत चौधरी की व्यावसायिक यात्रा अपने प्रयासों के प्रति दृढ़ता की मिसाल है। वर्ष 2016 में इंटरमीडिएट की परीक्षा में सफल न होने पर उन्होंने पारंपरिक अकादमिक अध्ययन के स्थान पर व्यावहारिक स्वरोजगार का मार्ग अपनाने का निर्णय लिया। उनकी स्पष्ट सोच थी कि ऐसा कार्य आरंभ किया जाए, जिसमें बहुत अधिक कृषि भूमि अथवा अत्यधिक पूंजी निवेश की पूर्व-आवश्यकता न हो। उद्योग लगाने के प्रारंभिक दौर में उन्होंने कई छोटे व्यवसाय शुरू किए, जिनमें उन्हें कोई विशेष सफलता नहीं मिल सकी, किंतु उन्होंने अपने प्रयासों को विराम नहीं दिया। वर्ष 2018 में पारिवारिक जीवन में आए एक मोड़ ने उनके व्यावसायिक दृष्टिकोण को सर्वथा नवीन दिशा प्रदान की। अपनी अस्वस्थ माता को आयुर्वेदिक औषधि के साथ नियमित शहद का सेवन करते देखकर उनके मन में यह विचार आया कि शहद केवल सामान्य उपभोग की वस्तु नहीं, बल्कि एक बड़े कृषि-आधारित उद्यम का आधार बन सकता है। स्थानीय मांग और मौनपालन की संभावनाओं को देखते हुए उन्होंने औपचारिक कौशल प्राप्त करने का निर्णय लिया।

उद्यम की वैज्ञानिक बारीकियों को समझने के लिए उन्होंने सात दिवसीय सघन तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण पूर्ण करने के उपरांत, नवंबर 2018 में जिला प्रशासन के मार्गदर्शन और विभागीय सहयोग से उन्होंने मात्र दो मौनपालन पेटियों के साथ अपने कार्य का श्रीगणेश किया। आरंभिक चरण में साधन सीमित थे, किंतु मधुमक्खियों के संवर्धन, मौसमी चक्र, निष्कर्षण की शुद्धता और बाजार की वास्तविक आवश्यकताओं के प्रति उनकी लगन अत्यंत सुदृढ़ थी।

व्यवसाय की आधारशिला रखने के बाद उन्होंने अपने कार्यक्षेत्र को केवल स्वयं तक सीमित नहीं रखा, बल्कि स्थानीय ग्रामीण युवाओं को संगठित करना शुरू किया।

जरा हटके

सड़क एवं सेतु ...

अभिषेक सिंह

प्रदेश में निर्मित सड़को और पुलों से विकास पथ को मिली है सुदृढ़ कनेक्टिविटी

उत्तर प्रदेश केवल देश का सर्वाधिक जनसंख्या वाला राज्य ही नहीं, बल्कि अपनी विशाल भौगोलिक सीमा, विविध सामाजिक संरचना, कृषि आधारित अर्थव्यवस्था, तेजी से बढ़ते औद्योगिक क्षेत्र और ऐतिहासिक-धार्मिक पर्यटन स्थलों के कारण देश के विकास मानचित्र पर अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। ऐसे विशाल और विविधतापूर्ण प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए मजबूत, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण आधारभूत संरचना अनिवार्य है। इस दृष्टि से सड़कें, पुल, फ्लाईओवर, रेलवे ओवरब्रिज, बाईपास और अन्य परिवहन सुविधाएं प्रदेश की विकास यात्रा की आधारशिला हैं। उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग और सेतु निगम इन परियोजनाओं को धरातल पर उतारते हुए प्रदेश में सुगम आवागमन, बेहतर कनेक्टिविटी और तेज आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। किसी भी राज्य की आर्थिक प्रगति का सीधा संबंध उसकी कनेक्टिविटी से होता है। बेहतर सड़कें और मजबूत पुल केवल दो स्थानों को जोड़ने का काम नहीं करते, बल्कि गांवों को बाजारों से, किसानों को मंडियों से, युवाओं को शिक्षा एवं रोजगार के अवसरों से तथा उद्योगों को आपूर्ति और बाजार की श्रृंखला से जोड़ते हैं। लोक निर्माण विभाग द्वारा राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़े मार्गों, राज्य राजमार्गों, प्रमुख जिला मार्गों और ग्रामीण संपर्क मार्गों के निर्माण, चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण एवं अनुरक्षण पर निरंतर कार्य किया जा रहा है। वहीं, सेतु निगम द्वारा नदियों, रेलवे लाइनों और व्यस्त यातायात वाले जंक्शनों पर आवश्यकतानुसार पुल, रेलवे ओवरब्रिज, फ्लाईओवर तथा अन्य महत्वपूर्ण सेतु परियोजनाओं का निर्माण किया जा रहा है। इन परियोजनाओं से यातायात की बाधाएं कम होती हैं, यात्रा का समय घटता है और दुर्घटनाओं की संभावनाओं को कम करने में सहायता मिलती है। इस प्रकार सड़क और सेतु विकास को एकीकृत रूप से आगे बढ़ाकर प्रदेश की परिवहन व्यवस्था को अधिक सक्षम बनाया जा रहा है।

सड़क एवं सेतु परियोजनाओं का प्रभाव केवल यातायात तक सीमित नहीं है। बेहतर कनेक्टिविटी आर्थिक गतिविधियों की गति को कई गुना बढ़ाने का माध्यम बनती है। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों के विस्तार से किसानों को अपनी उपज निकटवर्ती मंडियों और बड़े बाजारों तक पहुंचाने में सुविधा मिलती है। परिवहन लागत और समय में कमी से कृषि उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ती है तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है। इसी प्रकार औद्योगिक क्षेत्रों तक बेहतर सड़क संपर्क निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार होता है। कच्चे माल की आपूर्ति और तैयार उत्पादों की आवाजाही सुगम होने से उद्योगों की कार्यक्षमता बढ़ती है। यही कारण है कि सड़क और सेतु निर्माण को केवल निर्माण गतिविधि न मानकर प्रदेश के औद्योगिक, कृषि एवं सेवा क्षेत्र के विकास के महत्वपूर्ण आधार के रूप में देखा जा रहा है।पर्यटन की दृष्टि से भी बेहतर सड़क और पुल कनेक्टिविटी का विशेष महत्व है। अयोध्या, काशी, मथुरा-वृंदावन, प्रयागराज, कुशीनगर, चित्रकूट सहित प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों तक सुगम पहुंच से पर्यटकों की संख्या बढ़ने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार और व्यापार के अवसर भी बढ़ते हैं। आधुनिक तकनीक ने सड़क एवं सेतु निर्माण के क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन किया है। उत्तर प्रदेश में भी निर्माण कार्यों को अधिक गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए आधुनिक तकनीकों एवं डिजिटल मॉनिटरिंग प्रणालियों का उपयोग बढ़ाया जा रहा है। सड़क निर्माण में आधुनिक मशीनरी, उच्च क्षमता वाले रोड रोलर्स, हॉट मिक्स तकनीक और वैज्ञानिक स्तर निर्धारण जैसी व्यवस्थाओं से निर्माण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने पर जोर दिया जा रहा है। परियोजनाओं की निगरानी के लिए जीआईएस आधारित मैपिंग, ड्रोन सर्वेक्षण, डिजिटल प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग और ऑनलाइन प्रगति रिपोर्टिंग जैसी तकनीकों का उपयोग कार्यों की वास्तविक स्थिति का आकलन करने में सहायक बन रहा है। इससे अधिकारियों को समय रहते कमियों की पहचान करने और आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई करने में सुविधा मिलती है।ई-टेंडरिंग और ई-प्रोक्योरमेंट ने भी सरकारी निर्माण कार्यों में पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धा को मजबूत किया है। गुणवत्तापूर्ण कार्य के लिए तकनीकी क्षमता, वित्तीय अनुशासन और निर्धारित मानकों के पालन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सड़क और पुलों का निर्माण केवल समय पर पूरा करना पर्याप्त नहीं है। उनकी मजबूती, सुरक्षा और दीर्घकालिक उपयोगिता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। इसी उद्देश्य से निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की जांच, निर्धारित तकनीकी मानकों का अनुपालन तथा विभिन्न स्तरों पर निरीक्षण की व्यवस्था को प्राथमिकता दी जा रही है। सेतु परियोजनाओं में संरचनात्मक सुरक्षा, भार क्षमता, यातायात प्रबंधन और निर्माण की तकनीकी गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाता है। वहीं सड़कों में मजबूत बेस, बेहतर सतह, उचित जल निकासी और नियमित अनुरक्षण को प्राथमिकता दी जा रही है। स्वतंत्र अथवा थर्ड पार्टी निरीक्षण जैसी व्यवस्थाओं से गुणवत्ता परीक्षण को अधिक निष्पक्ष और प्रभावी बनाने का प्रयास किया जा रहा है। आधुनिक विकास की अवधारणा में पर्यावरण संरक्षण को अलग नहीं किया जा सकता। सड़क और सेतु परियोजनाओं के निर्माण में पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के लिए विभिन्न उपायों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। सड़क निर्माण में पुनर्चक्रित सामग्री और प्लास्टिक अपशिष्ट के उपयोग जैसी तकनीकें कचरे को उपयोगी संसाधन में बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। सड़कों के किनारे वृक्षारोपण, हरित पट्टियों का विकास और वर्षा जल निकासी की वैज्ञानिक व्यवस्था भी टिकाऊ आधारभूत संरचना का हिस्सा हैं। बेहतर ड्रेनेज व्यवस्था न केवल जलभराव को कम करती है, बल्कि सड़क की संरचनात्मक आयु बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

250 साल पुराना हो सकता है, सहारनपुर जा रहे अजय राय गिरफ्तार

एएसआई अफसर मस्जिद के नीचे मिले कुएं में उतरे

जांच

तमसा संकेत, एजेंसी

सहारनपुर। सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में ढहाई गई मस्जिद के नीचे मिले कुएं की जांच के लिए सोमवार सुबह ASI की टीम पहुंची। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) के 3 अफसर दोपहर 2 बजे कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे। कुएं के अंदर उतरकर जांच की। फीता डालकर उसकी गहराई मापी। एएसआई अफसर ने कहा- कुआं 200 से 250 साल पुराना हो सकता है। मामले में सियासत भी तेज है। सहारनपुर जा रहे सपा विधायक अतुल प्रधान को पुलिस ने मेरठ में हाउस अरेस्ट कर लिया। प्रधान जैसे ही अपने घर में कार पर सवार हुए। पुलिस ने आगे जीप खड़ी कर दी। विधायक ने कहा- आपके पास लाठी है। आप चलाओ, लेकिन हम जरूर जाएंगे। सपा विधायक आशु मलिक, सपा नेता शायान मसूद को भी पुलिस ने रोक दिया। लखनऊ में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को गिरफ्तार कर लिया गया। विपक्षी डेलिगेशन के सहारनपुर पहुंचने को लेकर सपा सांसद इकरा हसन ने कहा- हम लोग रूट बदलकर किसी तरह से यहां पहुंचे हैं। जिन अधिकारियों की मौजूदगी में कार्रवाई हुई, वो मिलने से मना कर रहे हैं। सपा सांसद हरेंद्र मलिक कमिश्नर ऑफिस भी गए थे, लेकिन उन्हें वहां कोई अफसर नहीं मिला। शनिवार को 16 घंटे बुलडोजर चलाकर मस्जिद ढहाई गई थी। रविवार सुबह जब मलबा हटाया गया तो नीचे कुआं मिला। यह 20 फीट गहरा और डेढ़ मीटर चौड़ा है।

पुलिस ने इसे लोहे की चादर से ढंक दिया है, ताकि मलबा अंदर न जाए। कुआं कितना पुराना है? इसका पता लगाने के लिए प्रशासन ने ASI को बुलाया है।

वहीं, मस्जिद की शिकायत करने वाले विकास त्यागी ने दावा किया- यहां पहले मंदिर रहा होगा। जांच होनी चाहिए। मुस्लिम धर्मगुरुओं और मस्जिद पक्ष का दावा है कि मस्जिद करीब 100 साल पुरानी थी।

70 साल पुराने वक्फ के दस्तावेजों में इसका जिक्र है। यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय को पुलिस ने लखनऊ में गिरफ्तार कर लिया।

इकरा हसन बोलीं- बुलडोजर से न्याय कोई इंसाफ नहीं है

सपा सांसद इकरा हसन ने कहा– जनप्रतिनिधियों को सहारनपुर जाने से रोकना सही नहीं है। हम लोग रूट बदलकर किसी तरह से आज यहां पहुंचे हैं। यहां पर लोगों को इसलिए जाने से रोका जा रहा है, ताकि मनमानी की जा सके। कोई भी ऐसा आदेश नहीं था कि मस्जिद टूटेगी, लेकिन नियमों का पालन नहीं हुआ। उसे रातों रात तोड़ दिया गया। इस सरकार के इशारे पर यहां पर अधिकारियों ने इस घटना को अंजाम दिया।

स्वतंत्रता समाज सेवा ट्रस्ट का चौथा स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया

सांस्कृतिक संध्या में बच्चों ने दिया हिंदू-मुस्लिम-सिख-ईसाई एकता का संदेश

तमसा संकेत, संवाददाता

150 से अधिक गणमान्य अतिथि हुए शामिल

मेरठ। स्वतंत्रता समाज सेवा ट्रस्ट का चौथा स्थापना दिवस एवं सांस्कृतिक संध्या शहर में उत्साह और उल्लास के साथ मनाई गई। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े 150 से अधिक गणमान्य अतिथियों ने शिरकत कर ट्रस्ट के सामाजिक कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी साजिद खान (हापुड़) रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में जूनियर रफी मोहम्मद शाहिद और हाजी सरताज गाजी मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ बच्चों द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत से हुआ। इसके बाद बच्चों ने हिंदू-मुस्लिम-सिख-ईसाई एकता पर आधारित नाटक प्रस्तुत कर सामाजिक सौहार्द और भाईचारे का संदेश दिया। बच्चों की विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह में मौजूद लोगों का मन मोह लिया। रात करीब 8 बजे ट्रस्ट के चार वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में केक काटकर स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने ट्रस्ट के पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। समारोह में स्वतंत्रता समाज सेवा ट्रस्ट की राष्ट्रीय अध्यक्ष चांदनी सैफी और कोषाध्यक्ष दिलशाद चौधरी ने सभी आमंत्रित अतिथियों का फूल-माला और शील्ड भेंट कर सम्मान किया। कार्यक्रम में डॉ. राव जफरयाब, डॉ. वसीम अब्बासी, हाजी मोहम्मद अफजाल, अजय चौधरी, मनोज कुमार, नावेद खान, मोहम्मद साकिब अंसारी, मोहम्मद फारूक चौधरी एडवोकेट, साजिद सैफी, विनोद मदान, आसिफ चौधरी, जुनैद फारूकी, यासीन चौहान, आमिर मेरठी, आस मोहम्मद इलाही, मोइनुद्दीन अंसारी, अरशद शाद, नौशाद सलमानी, इल्यास शेख, अकरम अब्बासी, आर्यन राजपूत, रिहाना खान, पूनम श्री, अजरा खान, परवीन सैफी, शहरीन, हुमैरा, मंतशा, नरगिस, सना, सानिया, मायरा, अदीबा, अक्शा, साजिदा और खुशबू, उजमा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

फास्ट न्यूज

उ0प्र0 जैन विद्या शोध संस्थान लखनऊ में उपाध्यक्ष समेत 09 सदस्य नामित

लखनऊ। संस्कृति विभाग के अधीन स्वायत्तशासी संस्था उ0प्र0 जैन विद्या शोध संस्थान लखनऊ के संविधान में की गयी प्राविधान के अनुसार सामान्य परिषद में उपाध्यक्ष/सदस्य समेत 09 महानुभावों को तत्काल प्रभाव से सदस्य के रूप में नामित किया गया है। इन नामित सदस्यों का कार्यकाल 03 वर्ष की अवधि के लिए होगा अथवा राज्य सरकार द्वारा हटाये जाने की तिथि तक, जो पहले हो।

13वें इंडिया जीनियस अवॉर्ड समारोह में उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने प्रतिभाओं का किया उत्साहवर्धन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष श्रीमती अपर्णा यादव ने 13वें इंडिया जीनियस अवॉर्ड समारोह-2026 में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि बच्चों की प्रतिभा को पहचान-कर उन्हें उचित अवसर एवं सम्मान प्रदान करना उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ ही देश के उज्ज्वल भविष्य की नींव मजबूत करता है। लखनऊ स्थित होली पब्लिक स्कूल सभागार में आयोजित समारोह का शुभारंभ श्रीमती अपर्णा यादव ने दीप प्रज्वलित कर किया।

सड़क के लिए जेन-अल्फा ने दिया धरना

मिर्जापुर। मिर्जापुर में सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले जेन–अल्फा (13 साल तक के बच्चे) सोमवार सुबह 10 बजे सड़क बनवाने की मांग को लेकर प्रदर्शन करने लगे। बच्चों की मांग थी कि स्कूल तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क बनाई जाए। बड़ी मुश्किल से खेतों की मेड़ से होकर उन्हें स्कूल पहुंचना पड़ता है। बारिश के बीच स्कूल के बाहर भीगते हुए प्रदर्शन कर रहे बच्चों का हौसला देखकर अभिभावक और शिक्षक भी उनके साथ शामिल हो गए।

पंचायत प्रतिनिधियों ने घेरा डिप्टी सीएम

बोले- गांव की सरकार नहीं तो विधानसभा की नहीं

- पंचायत चुनाव कराने की मांग को लेकर डिप्टी सीएम के आवास के बाहर प्रदर्शन करते हुए।
- प्रदर्शन कर रहे हैं आनंद ने कहा कि समय पर चुनाव न होना संविधान का अपमान है।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में सोमवार को पंचायत अधिकार संघ ने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के आवास का घेराव किया। प्रदेशभर से आए ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य, जिला पंचायत सदस्य और अन्य पंचायत प्रतिनिधियों ने करीब 2 घंटे तक आवास के बाहर प्रदर्शन किया। सभी पंचायत चुनाव जल्द कराने की मांग कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों ने गांव की सरकार नहीं तो विधानसभा की सरकार नहीं और पंचायत चुनाव जल्द करवाओ के नारे लगाए। डिप्टी सीएम से मुलाकात होने पर प्रदर्शनकारियों ने हाथ जोड़कर चुनाव की तारीख पूछी और जल्द चुनाव कराने की मांग रखी। पंचायत प्रतिनिधि आनंद कुमार ने कहा कि 26 मई 2026 को ग्राम प्रधानों का कार्यकाल पूरा हो चुका है।

मेरठ पुलिस और स्वाट टीम की संयुक्त कार्रवाई, 2023 से चल रहा था वांछित

पेपर आउट और सॉल्वर गैंग के 20 हजार के इनामी आरोपी को दिल्ली से दबोचा

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। प्रतियोगी परीक्षाओं में सेंधमारी कर पेपर आउट कराने और सॉल्वर के जरिए अभ्यर्थियों को फर्जी तरीके से पास कराने के मामले में मेरठ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना सिविल लाइन पुलिस और स्वाट टीम नगर ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए लंबे समय से फरार चल रहे 20 हजार रुपये के इनामी आरोपी मोनू उर्फ प्रशान्त कुमार सिंह को दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके से गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ विभिन्न जनपदों में प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी की गिरफ्तारी के बाद आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस के मुताबिक, 28 जून 2023 को एसटीएफ फील्ड यूनिट मेरठ के निरीक्षक सुनील कुमार की तहरीर पर थाना सिविल लाइन में मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप था कि कुछ लोग संगठित होकर अभ्यर्थियों से अवैध धनराशि लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र आउट कराने, प्रश्नपत्र हल कराने और सॉल्वर के माध्यम से अभ्यर्थियों को फर्जी तरीके से पास कराने का काम कर रहे थे। मामले में धारा 419, 420, 467, 468, 471, 120बी और 34 भादवि के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ देहरादून के थाना रायपुर में वर्ष 2025 में उत्तराखंड प्रतियोगी परीक्षा अधिनियम के तहत भी मुकदमा दर्ज है।

इस मामले की जांच सीबीआई उत्तराखंड द्वारा की जा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मेरठ के निर्देश, पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी सिविल लाइन के पर्यवेक्षण में पुलिस टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। 7 सितंबर 2026 को आरोपी को दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके से गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई करने वाली टीम में थाना प्रभारी अरुण भाटी, स्वाट टीम प्रभारी मनीष शर्मा व टीम, उपनिरीक्षक अमित कुमार, उपनिरीक्षक शुभम पचौरी तथा हेड कांस्टेबल कृष्ण प्रताप सिंह शामिल रहे।

विवेचना में सामने आया नाम, घोषित हुआ इनाम

विवेचना के दौरान मोनू उर्फ प्रशान्त कुमार सिंह पुत्र ओमपाल सिंह/रामअवतार, निवासी ग्राम खटाना, थाना जारचा, जनपद गौतमबुद्धनगर का नाम सामने आया। पुलिस के अनुसार आरोपी लगातार वांछित चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर 20 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस का दावा है कि आरोपी के खिलाफ अलग-अलग जनपदों में प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित कई मुकदमे दर्ज हैं। जांच के दौरान यह बात भी सामने आई कि पूर्व में गिरफ्तारी के समय आरोपी ने अपने पिता का नाम अलग-अलग बताया था।

छह मुकदमों में सामने आया नाम

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार मोनू उर्फ प्रशान्त कुमार सिंह के खिलाफ उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित छह मुकदमे दर्ज हैं। इनमें सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम से जुड़े मामले गाजियाबाद, मुजफ्फरनगर और गौतमबुद्ध-नगर में दर्ज हैं, जबकि मेरठ में वर्ष 2023 में धोखाधड़ी, कूटरचना और आपराधिक साजिश से संबंधित मुकदमा दर्ज हुआ था।

देहरादून में दर्ज वर्ष 2025 के मामले की जांच सीबीआई कर रही है।

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2026 में यूपी का परचम, लखनऊ ने इंदौर को पीछे छोड़ रचा इतिहास

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा के नेतृत्व में स्वच्छ

- स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2026 में यूपी का परचम, लखनऊ ने इंदौर को पीछे छोड़ रचा इतिहास।
- नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा के नेतृत्व में स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ शहरों की दिशा में उत्तर प्रदेश की बड़ी छलांग।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2026 में उत्तर प्रदेश ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। प्रदेश की राजधानी लखनऊ ने स्वच्छ वायु संरक्षण के क्षेत्र में देशभर में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए पहली बार इंदौर को पीछे छोड़ दिया है। यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, वायु गुणवत्ता सुधार और नगरीय व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों का परिणाम है। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छता, कचरा प्रबंधन, हरित क्षेत्र के विस्तार, सड़क एवं सार्वजनिक स्थलों की सफाई तथा वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में उत्तर प्रदेश के विभिन्न श्रेणियों के कुल 16 शहरों का स्थान बनाना प्रदेश के लिए गौरव की बात है। दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की कैटेगरी-1 में उत्तर प्रदेश के छह शहरों ने स्थान बनाया। इनमें लखनऊ ने देश में पहला, आगरा ने चौथा, गाजियाबाद ने नौवां, कानपुर ने ग्यारहवां, प्रयागराज ने तरहवां और मेरठ ने बाइसवां स्थान प्राप्त किया। वहीं 3 लाख से 10 लाख तक की आबादी वाले शहरों की कैटेगरी-2 में भी उत्तर प्रदेश के छह शहरों ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। इसमें फिरोजाबाद ने दूसरा, झांसी ने पांचवां, मुरादाबाद और नोएडा ने आठवां, गोरखपुर ने बाइसवां और बरेली ने छब्बीसवां स्थान प्राप्त किया।तीन लाख से कम आबादी वाले शहरों की कैटेगरी-3 में भी उत्तर प्रदेश के चार शहरों ने सफलता हासिल की। रायबरेली ने 17वां, अनपरा ने 29वां, खुर्जा ने 30वां और गजरौला ने 31वां स्थान प्राप्त किया।

जनपद न्यायाधीश ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना, 12 सितंबर को आयोजित होगी राष्ट्रीय लोक अदालत

राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार-प्रसार के लिए पीआरवी वाहन रवाना

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। राष्ट्रीय लोक अदालत और राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान 3.0 को लेकर आमजन में जागरूकता बढ़ाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ की ओर से सोमवार को विशेष प्रचार अभियान शुरू किया गया। इसके तहत जनपद न्यायालय परिसर से एक पीआरवी वाहन को रवाना किया गया। जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ मलखान सिंह ने हरी झंडी दिखाकर वाहन को रवाना किया। यह प्रचार वाहन जिले की विभिन्न तहसीलों, विकासखंडों और दूर-दराज के क्षेत्रों में जाकर लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत और मध्यस्थता के जरिए विवादों के समाधान की जानकारी देगा। अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को अदालतों में लंबित मामलों के आपसी सहमति और सुलह-समझौते के माध्यम से निस्तारण के लिए प्रेरित करना है। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली, सर्वोच्च न्यायालय की मीडिएशन एवं कंसीलि-येशन प्रोजेक्ट कमेटी तथा उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश पर 12 सितंबर 2026 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। लखनऊ में यह आयोजन जनपद न्यायालय के अलावा पारिवारिक न्यायालय, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, भूमि अर्जन पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन प्राधिकरण, उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, स्थायी लोक अदालत, श्रम न्यायालय और वाणिज्यिक न्यायालय में भी होगा। इसके साथ ही कलेक्ट्रेट और जिले की सभी तहसीलों में भी राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की जाएगी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान 3.0 भी चलाया जा रहा है। यह अभियान 1 अगस्त से शुरू होकर 30 दिसंबर 2026 तक जारी रहेगा। इसका मुख्य उद्देश्य पक्षकारों के बीच संवाद स्थापित कर आपसी सहमति, सुलह और समझौते के माध्यम से विवादों का जल्द और स्थायी समाधान कराना है।

सुलह-समझौते से मामलों के निस्तारण पर जोर

राष्ट्रीय लोक अदालत में ऐसे मामलों का आपसी सहमति और सुलह–समझौते के आधार पर निस्तारण किया जा सकता है, जिनमें पक्षकार विवाद को आपसी सहमति से समाप्त करना चाहते हैं। इससे लंबे समय से चल रहे मामलों को शीघ्र निस्तारित करने का अवसर मिलता है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सिविल जज (सीनियर डिवीजन) कुँवर मित्रेश सिंह कुशवाहा ने बताया कि पीआरवी वाहन के माध्यम से लोगों को लोक अदालत की प्रक्रिया और इसके लाभों की जानकारी दी जाएगी। वाहन के जरिए ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचकर आम लोगों को जागरूक किया जाएगा।

हिरासत : लखनऊ पुलिस ने धरने से जबरदस्ती उठाया, ठेलते हुए गाड़ी में बैठाया

सहारनपुर जा रहे अजय राय गिरफ्तार किए गए

- अजय राय समेत सैकड़ों कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर पुलिस लाइन लखनऊ में रखा गया है।
- अजय राय को पुलिस हिरासत में लेकर पुलिस लाइन ले गई।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को सोमवार को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। वह पार्टी प्रतिनिधिमंडल के साथ सहारनपुर जाने की तैयारी में थे। अजय राय को कांग्रेस मुख्यालय से हिरासत में लेकर पुलिस लाइन ले जाया गया। वह सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर की मस्जिद पर हुई बुलडोजर कार्रवाई का जायजा लेने और पीड़ितों व मस्जिद कमेटी के सदस्यों से मिलने जा रहे थे। अजय राय के हिरासत में लिए जाने की सूचना मिलते ही कांग्रेस मुख्यालय के बाहर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जमा हो गए। पुलिस जब उन्हें अपने साथ ले जाने लगी तो कार्यकर्ताओं ने विरोध किया और नारेबाजी की। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने अजय राय को गाड़ी में बैठाया और वहां से पुलिस लाइन के लिए रवाना हो गए। सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद को प्रशासन ने सरकारी जमीन पर बना अनधिकृत निर्माण बताते हुए ध्वस्त किया है। प्रशासन का कहना है कि यह कार्रवाई अदालत के आदेश और निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के तहत की गई। सहारनपुर की कार्रवाई के बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति में घमासान तेज हो गया है। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी समेत विपक्षी दलों ने सरकार की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद समेत कई विपक्षी नेताओं ने भी ध्वस्तीकरण को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। अजय राय ने कहा कि पुलिसिया बल और दमनकारी हथकंडों से कांग्रेस की आवाज को दबाया नहीं जा सकता। पीड़ितों को न्याय दिलाने की लड़ाई हर हाल में जारी रहेगी।

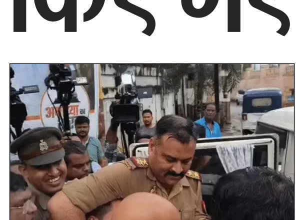

अजय राय के समर्थन में कार्यकर्ताओं की नारेबाजी बोले– संघर्ष करो, हम तुम्हारे साथ हैं।

'भाजपा सरकार के इशारे पर ऐसा किया'

अजय राय ने से बातचीत में कहा कि वह सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद को ध्वस्त किए जाने की घटना के पीड़ितों और मस्जिद कमेटी के सदस्यों से मिलने जा रहे थे। सरकार के इशारे पर पुलिस ने उन्हें और कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए बल प्रयोग किया और हिरासत में लिया।

धीरेंद्र प्रताप सिंह अपहरण-हत्या कांड में 50 हजार का इनामी गिरफ्तार

सीसीटीवी, तकनीकी साक्ष्यों और स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से पुलिस ने दबोचा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में धीरेंद्र प्रताप सिंह के अपहरण के बाद हुई हत्या की घटना में शामिल 50 हजार रुपये के इनामी वांछित अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी एवं मैनुअल साक्ष्यों तथा स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से आरोपी तक पहुंच बनाई। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान जय किशन पुत्र बैजनाथ, निवासी मानपुर डेहवा, थाना जैतपुर, जिला बाराबंकी, हाल पता पटेल नगर निलमथा, थाना सुशांत गोल्फ सिटी, लखनऊ के रूप में हुई है। आरोपी की उम्र करीब 25 वर्ष बताई गई है। पुलिस के अनुसार वह इस हत्याकांड में वांछित था और उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 7,300 रुपये नकद तथा पीली धातु की एक अंगूठी, जिसमें पारदर्शी नग लगा हुआ है, बरामद की है। पुलिस के मुताबिक अंगूठी मृतक धीरेंद्र प्रताप सिंह की है।

पुलिस टीम द्वारा आरोपी से पूछताछ और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच की गई। गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त को सोमवार, 7 सितंबर 2026 को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

13 श्रद्धालुओं की मौत, 30 मीटर तक बिखरीं लाशें

बागपत में एक्सप्रेस-वे पर टक्कर से पलटी पिकअप, कई मीटर घिसटी, 19 घायल

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

बागपत। यूपी के बागपत में श्रद्धालुओं से भरी पिकअप टक्कर के बाद पलट गई। हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 7 पुरुष, 3 महिलाएं, 3 बच्चे हैं। 19 से ज्यादा श्रद्धालु घायल हैं। पिकअप में 32 श्रद्धालु सवार थे। ये राजस्थान के बागड़ धाम (गोगामेड़ी) से बदायूं लौट रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, रविवार देर रात करीब 1 बजे पिकअप को तेज रफ्तार कैंटर ने टक्कर मार दी। टक्कर के बाद पिकअप बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई। फिर घिसटते हुए सड़क के बीचों-बीच पलट गई। ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे पर हुआ हादसा इतना भयावह था कि लाशें 30 मीटर दूर तक बिखर गईं। चीख-पुकार मच गई। धमाके जैसी आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना दी। लोगों ने एक्सप्रेस-वे पर पड़े घायलों को सड़क किनारे किया। फिर पुलिस ने सभी को जिला अस्पताल पहुंचाया। हादसा जिला मुख्यालय से 15 किमी दूर खेकड़ा कोतवाली क्षेत्र में बसी और बड़ा गांव के बीच हुआ। हादसे की जानकारी मिलते ही डीएम अस्मिता लाल और एसपी सूरज राय जिला अस्पताल पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने घायलों का हालचाल जाना और स्वास्थ्य कर्मियों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। मृतकों और घायलों के परिजनों को फोन के जरिए सूचना दे दी गई है। हादसे में मरने वाले- मुन्नी देवी (55), सुगड़पाल (40), साधु (60), रामेश्वर यादव (60), प्रेमसिंह (40), जितेंद्र (7), प्रेमवती (50), दीक्षा (2), भानुमति (52), विकास (32), मूर्ति (35), सौरव (4) और 45 साल का एक अज्ञात व्यक्ति हैं।

इनकी हुई मौत

मुन्नी देवी, सुगड़पाल, साधु, रामेश्वर यादव, प्रेमसिंह, जितेंद्र, मृतक

राजस्थान में दर्शन करने के बाद अपने घर बदायूं लौट रहे थे

हादसे में घायल कुंवरपाल ने बताया- हम सभी बदायूं के चेतू नगला अल्लापुर चमारी गांव के रहने वाले थे। सभी बागड़ धाम से लौट रहे थे। रात के समय गाड़ी में सो रहे थे। अचानक तेज आवाज के साथ गाड़ी पलट गई। ड्राइवर ने बताया कि पीछे से आ रहे वाहन ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी है। बागड़ धाम यात्रा उत्तर भारत की प्रसिद्ध धार्मिक यात्रा है। यह यात्रा राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में स्थित 'गोगामेड़ी' (बागड़ धाम) के लिए की जाती है। यह जाहरवीर बाबा गोगा जी महाराज (गोगा नाथ जी) का समाधि स्थल है। अगस्त-सितंबर में यहां लाखों श्रद्धालु उमड़ते हैं।

सपा नेता बोले- पीड़ित परिवारों को उचित आर्थिक सहायता दी जाए

सपा नेता पूर्व जिलाध्यक्ष बिल्लू प्रधान ने बताया कि सभी मृतक यादव परिवारों से हैं। सपा सांसद धर्मेंद्र यादव और आदित्य यादव ने फोन कर हादसे की जानकारी ली है। इसके बाद सपा के कार्यकर्ता और पदाधिकारी पीड़ित परिवारों से मिलने पहुंचे। उन्होंने कहा- घायलों को बेहतर उपचार मिलना चाहिए। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया जल्द पूरी कराई जानी चाहिए। साथ ही पीड़ित परिवारों को उचित आर्थिक सहायता दी जाए। मुश्किल घड़ी में सपा के सभी कार्यकर्ता पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं।

मृतक रामेश्वर यादव के रिश्तेदार विमलेश कुमार यादव ने बताया- गांव के लोग एक गाड़ी से राजस्थान गए थे और वापस लौट रहे थे। सभी एक ही गांव के रहने वाले हैं। हादसे की खबर के बाद पूरे गांव में शोक की लहर है।

फर्जी दस्तावेज तैयार कर जमीन का कराया बैनामा

मोहनलालगंज पुलिस ने वांछित आरोपी को दबोचा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। मोहनलालगंज पुलिस ने कूटरचित दस्तावेज तैयार कर जमीन की धोखाधड़ी करने के मामले में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, ग्राम व पोस्ट करोरा निवासी अरुण कुमार शुक्ला ने 3 सितंबर 2025 को थाना मोहनलालगंज में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप था कि विपक्षीगण ने कूटरचित दस्तावेज तैयार कर उनकी भूमि का फर्जी व्यक्ति खड़ा करके धोखाधड़ी से बैनामा करा लिया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा संख्या 343/2025 में बीएनएस की संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया था। थाना नगराम, लखनऊ, उम्र करीब 35 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि आर्थिक लाभ लेने के उद्देश्य से वादी की भूमि का फर्जी बैनामा कराया गया था। पुलिस के मुताबिक, इस मामले में पूर्व में 25 अक्टूबर 2025 को सुधीर पुत्र राजू निवासी बहरौली तथा 4 नवंबर 2025 को सतेन्द्र कुमार पुत्र स्वर्गीय मोहनलाल निवासी छिबऊखेड़ा को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका है।

फास्ट न्यूज

मंदिर में घुसकर हनुमान मूर्ति को अपवित्र किया

आगरा। आगरा के थाना एत्माद्दौला क्षेत्र के कछपुरा में रविवार रात 40 साल पुराने मंदिर में दो युवकों पर देव मूर्तियों के साथ आपत्तिजनक कृत्य करने और उन्हें क्षतिग्रस्त करने का आरोप लगा है। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव फैल गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, दोपहर के समय दोनों युवक मंदिर में घुसे। आरोप है कि उन्होंने हनुमान जी की मूर्ति को अपवित्र किया। शिव परिवार की मूर्तियों को उनके स्थान से खिसका कर क्षतिग्रस्त करने की कोशिश की।

सर्किट हाउस में नमाज पर घिरे विधायक के चाचा

मुरादाबाद। बिलारी से समाजवादी पार्टी के विधायक मोहम्मद फहीम के चाचा हाजी मोहम्मद उस्मान सर्किट हाउस में नमाज पढ़ने के मामले को लेकर चर्चा में हैं। मामले में उनके खिलाफ मुरादाबाद में FIR भी दर्ज हो चुकी है। इस पूरे प्रकरण पर विधायक मोहम्मद फहीम ने अब तक सार्वजनिक तौर पर कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं दी है। रविवार को विधायक मोहम्मद फहीम ने सोशल मीडिया पर 6 सेकेंड का एक वीडियो शेयर किया। इसमें विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना सदन में बिलारी विधायक का नाम पुकारते दिखाई दे रहे हैं।

आर्किटेक्ट ने बनाई नीम करौली बाबा की समाधि

आगरा। बाबा नीम करौली के ऊपर बनी फिल्म हनुमान अंश को दर्शक पसंद कर रहे हैं। फिल्म में बाबा की शक्ति और चमत्कारों को दिखाया गया है। बाबा के अनुयायी उनके चमत्कारों की चर्चा कर रहे हैं। आगरा में भी बाबा नीम करौली के ऐसे ही भक्त हैं। जिनको उनका आशीर्वाद मिला। बाबा के शरीर त्यागने के बाद उन्होंने वृंदावन स्थित आश्रम का डिजायन तैयार किया। बाबा के चमत्कारों को लेकर उन्होंने से बात की।

हादसे के 4 अफसर जिम्मेदार, पार्षद ने नाला ढकने की मांग की थी

आगरा नगर निगम की लापरवाही से गई बुजुर्ग की जान

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में शुक्रवार रात जलभराव के दौरान खुले नाले में गिरने से बुजुर्ग ओम प्रकाश देवानी की मौत के बाद नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। केदार नगर निवासी ओम प्रकाश राजकमल इंटर कॉलेज के पास जलभराव के बीच साइकिल समेत खुले नाले में गिर गए थे। स्थानीय लोगों ने उन्हें बाहर निकाला, लेकिन कुछ देर बाद तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल ले जाते समय उनकी मौत हो गई। परिजनों और स्थानीय लोगों का आरोप है कि अगर खुले नाले और क्षेत्र में लंबे समय से बनी जलभराव की समस्या पर नगर निगम ने समय रहते ध्यान दिया होता तो हादसा टाला जा सकता था।

इस मामले में क्षेत्रीय पार्षद भी करीब 6 महीने पहले नाला ढकने की मांग कर चुके थे। अब सफाई, नाला रखरखाव और क्षेत्र की निगरानी से जुड़े 4 अधिकारियों की जिम्मेदारी पर सवाल उठ रहे हैं। केदार नगर निवासी ओम प्रकाश देवानी शुक्रवार रात काम से साइकिल से घर लौट रहे थे। बारिश के कारण वह रास्ते में रुक गए। बारिश बंद होने के बाद करीब सवा 11 बजे वह राजकमल इंटर कॉलेज के पास पहुंचे। परिजन उन्हें घर ले गए।

सड़क पर जलभराव होने के कारण उन्हें सामने मौजूद खुला नाला दिखाई नहीं दिया। साइकिल समेत वह नाले में गिर गए। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें बाहर निकाला और परिजनों को सूचना दी।

जलभराव में सड़क और नाले का पता नहीं चलता

जिस जगह यह घटना हुई, वहां नाला खुला हुआ है। एक तरफ सड़क और दूसरी ओर खाली मैदान है। नाले के ऊपर सुरक्षा के लिए बाउंड्री या दूसरी ठोस व्यवस्था नहीं है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, सामान्य दिनों में नाले में पानी बहता हुआ दिखाई देता है, लेकिन बारिश के दौरान जब सड़क पर पानी भर जाता है तो सड़क, नाला और खाली मैदान एक जैसे नजर आते हैं। ऐसे में राहगीरों को यह पता लगाना मुश्किल हो जाता है कि नाला कहां है। क्षेत्र में जलभराव की समस्या भी लंबे समय से बनी हुई है। बारिश के दिनों में सड़क पर 2 से 3 फीट तक पानी भरने की बात स्थानीय लोग बताते हैं। ऐसे हालात में खुले नाले का खतरा और बढ़ जाता है।

लखनऊ में खच्चर चोरी का खुलासा, एक शातिर गिरफ्तार

चोरी किए गए आठ खच्चर और वारदात में प्रयुक्त बोलेरो पिकअप बरामद

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। पीजीआई पुलिस ने खच्चर चोरी की घटना का खुलासा करते हुए एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी किए गए आठ खच्चर तथा घटना में प्रयुक्त महिंद्रा बोलेरो पिकअप वाहन बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अलीगढ़ जिले के गोण्डा थाना क्षेत्र स्थित नगला मानसुजान निवासी करीब 40 वर्षीय बच्चन सिंह पुत्र जयपाल सिंह के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, 23 अगस्त को उत्तरठियां रेलवे क्रॉसिंग के पास से आठ खच्चर चोरी हो गए थे। इस संबंध में वादी रकमनाथ निवासी गांधीनगर, थाना बिजनौर ने पीजीआई थाने में तहरीर दी थी। मामले में मुकदमा संख्या 446/2026 धारा 303(2)

बीएनएस के तहत दर्ज किया गया था। घटना के खुलासे और खच्चरों की बरामदगी के लिए पीजीआई पुलिस ने टीमें गठित की थीं। तकनीकी, मैनुअल और स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से पुलिस ने घटना में प्रयुक्त पिकअप वाहन की जानकारी जुटाई और आरोपी बच्चन सिंह तक पहुंची। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी किए गए सभी आठ खच्चर बरामद कर लिए। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि करीब 12-13 दिन पहले वह अपने लोडर से भाड़ा लेकर लखनऊ आया था। इसी दौरान उसके गांव के गोलू शर्मा ने फोन कर उसे कुछ जानवर लाने के लिए कहा। आरोपी के मुताबिक गोलू शर्मा और उसका एक अन्य साथी उसे रेलवे क्रॉसिंग के पास ले गए। वहां वाहन खड़ा कर दोनों ने पास के मैदान से आठ खच्चर चोरी किए और उन्हें पिकअप में लाद दिया। आरोपी ने पूछताछ में लालच में शामिल होने की बात स्वीकार की।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। घटना में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त तरुण गाबा के निर्देश, डीसीपी दक्षिणी मो. मुश्ताक के पर्यवेक्षण तथा पीजीआई प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने की।

पाइपलाइन बिछाने के लिए रेलवे स्टेशन रोड बंद

20 दिन रहेगा डायवर्जन, पहले दिन से बढ़ा ट्रैफिक का दबाव

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। अलीगढ़ में बारिश के दौरान होने वाले जलभराव से शहर के कई इलाकों को राहत दिलाने के लिए 1200 एमएम की पाइपलाइन बिछाने का काम सोमवार से शुरू हो गया। नगर निगम ने गुरुद्वारा से नौरंगाबाद पुल के नीचे तक सड़क की खुदाई शुरू कराई है। इसी के साथ रेलवे स्टेशन रोड पर वाहनों की आवाजाही रोककर डायवर्जन लागू कर दिया गया। काम पूरा होने में करीब 20 दिन लगने का अनुमान है। मुख्य सड़क बंद होने से पहले ही दिन शहर की ट्रैफिक व्यवस्था बदल गई। स्टेशन रोड से रोज गुजरने वाले वाहन अब वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे आसपास की सड़कों पर वाहनों का दबाव बढ़ गया है। ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से स्टेशन रोड की तरफ जाने से बचने और

निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करने की अपील की है। नगर निगम की टीम ने पाइपलाइन डालने के लिए गुरुद्वारा के पास से सड़क की खुदाई शुरू की है। पाइपलाइन को नौरंगाबाद पुल के नीचे तक बिछाया जाएगा। काम के दौरान सड़क का यह हिस्सा वाहनों के लिए बंद रहेगा। अधिकारियों के मुताबिक निर्माण कार्य करीब 20 दिन में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। काम पूरा होने के बाद सड़क को दोबारा वाहनों के लिए खोला जाएगा।

बारिश के कारण 12वीं तक के स्कूल बंद

मुरादाबाद में बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए जिला प्रशासन ने लिया फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। जिले में लगातार हो रही तेज बारिश और कई इलाकों में जलभराव की स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने सोमवार, 7 सितंबर को सभी स्कूल बंद रखने का आदेश जारी किया है। प्रशासन के इस फैसले के बाद जिले में कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए सोमवार को अवकाश रहेगा। स्कूल बंद रखने का आदेश सरकारी और निजी, दोनों तरह के विद्यालयों पर लागू होगा। जिलाधिकारी कार्यालय की ओर से जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि बारिश के मौजूदा हालात को देखते हुए जिले के सभी विद्यालयों को सोमवार को बंद रखा जाए। इसके तहत उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड), सीबीएसई और आईसीएसई समेत सभी बोर्ड से संबद्ध स्कूलों को बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं।

फिलहाल सिर्फ एक दिन की छुट्टी

फिलहाल प्रशासन ने सोमवार, 7 सितंबर के लिए ही स्कूल बंद रखने का आदेश जारी किया है। इसका मतलब है कि आगे स्कूल खोलने या बंद रखने को लेकर प्रशासन की ओर से अलग से कोई आदेश आने पर ही स्थिति स्पष्ट होगी। यदि बारिश और मौसम की स्थिति आगे भी खराब रहती है तो प्रशासन परिस्थितियों का आकलन कर आगे का निर्णय ले सकता है।

तेज बारिश से कई इलाकों में जलभराव

मुरादाबाद में लगातार बारिश के कारण कई क्षेत्रों में पानी भर गया है। सड़कों और निचले इलाकों में जलभराव के चलते लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के बीच स्कूली बच्चों को घर से स्कूल तक आने-जाने में किसी तरह की परेशानी न हो और उनकी सुरक्षा प्रभावित न हो, इसे देखते हुए प्रशासन ने स्कूल बंद रखने का निर्णय लिया है। प्रशासन का मानना है कि खराब मौसम और जलभराव की स्थिति में छोटे बच्चों के लिए स्कूल तक पहुंचना मुश्किल हो सकता है। बारिश के कारण रास्तों पर फिसलन और पानी भरने से दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है। ऐसे में विद्यार्थियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए एक दिन के लिए स्कूल बंद रखने का फैसला किया गया है। इस बीच अभिभावकों से भी बच्चों की सुरक्षा को लेकर सतर्क रहने की अपील की गई है। बारिश के दौरान अनावश्यक रूप से जलभराव वाले क्षेत्रों में जाने से बचने और प्रशासन की ओर से जारी निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है।

प्रशासन ने स्कूल प्रबंधनों को निर्देशों का सख्ती से पालन करने के लिए कहा है। यदि कोई विद्यालय प्रशासनिक आदेश के बावजूद स्कूल खोलता है या विद्यार्थियों को विद्यालय बुलाता है, तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है। स्कूल प्रबंधन को मौसम की स्थिति को देखते हुए प्रशासन के निर्देशों का पालन करने के लिए कहा गया है।

पृष्ठ 01 का शेष...

नई पीढ़ी ग्लोबल हो ...

स्वर्ण भारत ट्रस्ट का ब्रिज स्कूल और उत्तर प्रदेश के अटल आवासीय विद्यालय अलग राज्यों में होने के बावजूद समान सोच के साथ वंचित बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा लक्ष्य ऐसी नई पीढ़ी तैयार करना है, जो ग्लोबल भी हो और रूटेड भी, आधुनिक तकनीक से लैस हो, लेकिन हृदय में भारत, संस्कृति पर गर्व, अपनी जड़ों का बोध, समाज के प्रति संवेदनशीलता और 'नेशन फर्स्ट' की भावना रखती हो। तकनीक भेदभाव नहीं करती और नए भारत ने गांव की ताकत को नई तकनीक से जोड़ दिया है। सीएम ने वेंकैया नायडू को उत्तर व दक्षिण भारत के बीच सांस्कृतिक व आध्यात्मिक सेतु बताया। मुख्यमंत्री ने स्वर्ण भारत ट्रस्ट के 25 वर्ष पूर्ण होने पर सभी पदाधिकारियों, सदस्यों और शुभचिंतकों को बधाई दी। साथ ही ट्रस्ट के संस्थापक एवं पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू का हृदय से अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि वेंकैया नायडू जी बहुआयामी व अत्यंत संवेदनशील व्यक्तित्व के धनी हैं। सार्वजनिक जीवन में उन्होंने अपनी सरलता, सहजता और सभी को साथ लेकर चलने की क्षमता के बल पर पूरे देश में अपनी अलग पहचान बनाई। सार्वजनिक जीवन में ऐसा विराट व्यक्तित्व मिलना दुर्लभ है, जो दल और विचारधारा की सीमाओं से ऊपर उठकर सभी को समान रूप से साथ लेकर चले और जिसकी सर्वत्र स्वीकार्यता हो। राज्यसभा सभापति के रूप में दायित्वों के निर्वहन में यही व्यापक स्वीकार्यता दिखाई देती थी। उनका योगदान राजनीति तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने तेलुगु संस्कृति, खान-पान और वेश-भूषा को देश के दूसरे हिस्सों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पीएम मोदी जी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में भी श्रमिकों के बच्चों के लिए 18 मंडल मुख्यालयों पर अटल आवासीय विद्यालय स्थापित किए गए हैं। कोरोना महामारी के दौरान माता-पिता को खोने वाले बच्चों को भी इन विद्यालयों में शिक्षा व आवास सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। ये निःशुल्क आवासीय विद्यालय हैं, जहां आधी सीटें बालिकाओं के लिए आरक्षित हैं। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जनपद में कोई न कोई पारंपरिक हुनर मौजूद है। वाराणसी की साड़ी, भदोही का कालीन, मुरादाबाद का पीतल, फिरोजाबाद का कांच, कन्नौज का इत्र और लखनऊ की चिकनकारी इसकी मिसाल हैं। पीढ़ियों से इस हुनर को आगे बढ़ाने वाले कारीगरों के पास आधुनिक डिजाइन, पूंजी और बाजार की कमी थी। इसी को ध्यान में रखते हुए हमने 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' योजना शुरू की। हर जिले के एक प्रमुख उत्पाद को चिन्हित कर उसके कारीगरों को डिजाइन प्रशिक्षण, आधुनिक टूल किट, आसान बैंक ऋण तथा मार्केटिंग और एक्सपोर्ट का मंच उपलब्ध कराया गया। 'विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना' के तहत पारंपरिक कारीगरों को प्रशिक्षण और टूल किट दिए गए। इसका परिणाम है कि इनका हुनर निर्यात तक पहुंच रहा है और उत्तर प्रदेश देश के प्रमुख निर्यातक राज्यों में शामिल हो गया है। हमने कारीगर को नया हुनर नहीं सिखाया, बल्कि उसके पुराने हुनर को नया बाजार उपलब्ध कराया है। मुख्यमंत्री ने स्वर्ण भारत ट्रस्ट की ग्रामीण महिलाओं के लिए संचालित प्रशिक्षण व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि इसमें महिलाओं के लिए अलग आवास की व्यवस्था भी है। जब तक व्यवस्था सुरक्षित नहीं होती, तब तक परिवार अपनी बेटी को बाहर नहीं भेजता। उत्तर प्रदेश में 'मिशन शक्ति' के माध्यम से महिलाओं को 'बीसी सखी' के रूप में तैयार किया गया। उन्हें प्रशिक्षण और डिजिटल डिवाइस देकर बैंकिंग सेवाओं से जोड़ा गया। अब गांव के बुजुर्गों व अन्य लोगों को बैंकिंग सेवाएं घर पर मिल रही हैं और ये काम उसी गांव की बेटियां कर रही हैं। उन्हें अच्छी आय भी हो रही है। गोवंश संरक्षण के लिए उत्तर प्रदेश में 7,700 से अधिक गो-आश्रय स्थल बनाए गए हैं। निराश्रित गोवंश को पालने वाले किसानों को राज्य सरकार की ओर से प्रति गोवंश 1,500 रुपये प्रतिमाह दिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज तकनीक का युग है और तकनीक का सबसे बड़ा गुण यह है कि वह भेदभाव नहीं करती। प्रधानमंत्री जी ने तकनीक का प्रभावी उपयोग कर महिला और ग्रामीण सशक्तीकरण को नई गति दी है। जनधन खातों और डीबीटी के माध्यम से सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों तक पहुंच रहा है और यह सुनिश्चित हुआ है कि योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। आज लगभग 60 करोड़ भारतवासी जनधन खातों का लाभ प्राप्त कर रहे हैं और करोड़ों परिवारों को वित्तीय समावेशन का लाभ मिल रहा है। डिजिटल लेन-देन के मामले में भारत पूरी दुनिया को राह दिखा रहा है।

'सरकार जिम्मेदारी से...

रेस्क्यू ऑपरेश पूरा हो चुका है। हॉस्टल हादसा दिल्ली यूनिवर्सिटी के साउथ कैंपस के पास सत्य निकेतन में रविवार दोपहर करीब 1:30 बजे हुआ। हॉस्टल 5 मंजिला इमारत में था, जो करीब 40 साल पुरानी थी। दिल्ली नगर निगम (MCD) के रिकॉर्ड में इस इमारत को खतरनाक घोषित नहीं किया गया था। 2022 से 2025 तक यानी 3 साल में दिल्ली में बिल्डिंग गिरने के 1133 मामले सामने आए हैं। इन घटनाओं में 98 लोगों की मौत हुई है। आरजेडी सांसद मनोज कुमार झा ने घटना के बाद पीएम नरेंद्र मोदी को लेटर लिखा। इसमें उन्होंने सत्य निकेतन हॉस्टल हादसे और दिल्ली यूनिवर्सिटी में छात्रों के रहने की व्यवस्था से जुड़े संकट को लेकर तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की। सत्य निकेतन दिल्ली यूनिवर्सिटी के साउथ कैंपस के पास बसा प्रमुख छात्र इलाका है। यहां बड़ी संख्या में छात्र PG और हॉस्टल में रहते हैं। इलाके में कई हॉस्टल हैं। इनके आसपास ही दिल्ली यूनिवर्सिटी के वेंकटेश्वर कॉलेज, आर्यभट्ट, मोतीलाल नेहरू और मैत्रेयी कॉलेज हैं। इसी वजह से यहां दिनभर छात्रों की आवाजाही रहती है। हालांकि, सत्य निकेतन में कुल कितने छात्र रहते हैं, इसका कोई आधिकारिक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है।

सहारनपुर में ...

चुनावों और राजनीति में AI के बढ़ते इस्तेमाल पर अखिलेश ने साफ लहजे में कहा, "जो समाज में अच्छाई फैलाए, वही असली एआई (AI) है। इसका इस्तेमाल सिर्फ अच्छे कामों के लिए होना चाहिए। जो लोग विपक्षी नेताओं को बदनाम करने के लिए एआई से फर्जी वीडियो बनाएंगे, उन्हें याद रखना चाहिए कि वीडियो यहां से भी तैयार किया जा सकता है।" सपा प्रमुख ने सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि कुछ लोग समाज को पूरी तरह सांप्रदायिक करना चाहते हैं। वे भाषणों में तो कम्युनल थे ही, अब अपने एक्शन में भी कम्युनल हो चुके हैं। जब देश में हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट मौजूद हैं। वहां से न्याय मिल सकता था, तो ऐसी क्या जरूरत पड़ गई कि 12 घंटे के भीतर मस्जिद को गिरा दिया गया? हम इस सांप्रदायिक रास्ते को हमेशा के लिए खत्म करेंगे। प्रदेश में गरीबों को इलाज नहीं मिल पा रहा। गलत इलाज के कारण लोगों की जान जा रही है। स्कूल बंद किए जा रहे हैं। पूरा सरकारी तंत्र केवल ब्रांडिंग के लिए 10 हजार करोड़ रुपए फूंक रहा है।अपराधियों को पकड़ने के बजाय पुलिस हमारे पार्टी नेताओं के घरों पर दबिश दे रही है। वाराणसी में पकड़े गए नशीली दवाओं (कोडीन) के अवैध कारोबार में सत्ता पक्ष के लोग शामिल हैं।

पत्नी का सिर ...

इसके बाद उसने रिया के शव को काटकर मांस कुत्तों को खिलाने की योजना बनाई थी। लेकिन, खाना खाने के बाद वह घर से भाग निकला। रिया और रामानुजन की शादी करीब 6 महीने पहले ही हुई थी। शादी के बाद से ही दोनों गुवाहाटी के हाटीगांव इलाके में किराए से रह रहे थे। रिया फैंसी बाजार के एसी मार्केट इलाके में स्थित एक बुटीक में काम करती थी। उसके परिवार में केवल एक भाई है। वहीं, रामानुजन कैब चलाता था। रामानुजन का पैतृक घर धुबरी जिले के गौरीपुर में है, जहां उसके माता-पिता रहते हैं।

दलीप ट्रॉफी फाइनल में ईस्ट जोन का स्कोर 550 पार ■ कुमार कुशाग्र का शतक

ईशान किशन दोहरा शतक लगाकर नाबाद

मुकाबला

नपई दिल्ली, एजेंसी

दलीप ट्रॉफी फाइनल में ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन ने दोहरा शतक लगाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है। चेन्नई में साउथ जोन के खिलाफ खेले जा रहे मुकाबले में ईस्ट जोन ने 5 विकेट पर 550 से ज्यादा रन बना लिए हैं। ईशान 200 से ज्यादा रन बनाकर नाबाद हैं। ईशान ने 270 गेंदों में दोहरा शतक ठोका। इस दौरान उन्होंने 26 चौके और 2 छक्के लगाए। ईशान ने 10 सालों के बाद फर्स्ट क्लास क्रिकेट में ये कमाल किया है। इससे पहले उन्होंने साल 2016 में पहला दोहरा शतक लगाया था। ये उनके फर्स्ट क्लास करियर का पहला शतक भी था। इस खिलाड़ी ने दिल्ली के खिलाफ 273 रनों की पारी खेली थी। ईशान किशन अबतक फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 10 शतक लगा चुके हैं।साउथ जोन की ओर से चामा मिलिंद और त्रिपुराना विजय ने 2-2 विकेट लिए हैं। अभिमन्यु ईश्वरन रन आउट हुए। हालांकि, मोहम्मद सिराज समेत साउथ जोन के गेंदबाज ईस्ट जोन के बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाने में नाकाम रहे हैं। सिराज ने 17 ओवर में 109 रन दिए और उन्हें अब तक कोई विकेट नहीं मिला है।

वैभव सूर्यवंशी ने 44 रन बनाए

ईस्ट जोन ने रविवार को पहले दिन टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। टीम की शुरुआत भी अच्छी रही थी। वैभव सूर्यवंशी ने 37 गेंदों पर 44 रन बनाए, जबकि अभिमन्यु ईश्वरन ने 72 और शिखर मोहन ने 85 रन की पारियां खेलीं। सूर्यवंशी और ईश्वरन ने पहले विकेट के लिए 100 रन जोड़े थे। इसके बाद ईशान ने पारी को संभाला और टीम को बड़े स्कोर की ओर पहुंचाया।

कुमार कुशाग्र ने 101 रन बनाए

कुमार कुशाग्र ने ईस्ट जोन के लिए शतकीय पारी खेली। उन्होंने 132 गेंदों पर 101 रन बनाए, जिसमें 8 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। कुशाग्र 101 रन के स्कोर पर चामा मिलिंद की गेंद पर त्रिपुराना विजय के हाथों कैच आउट हुए।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

ईस्ट जोन: अभिमन्यु ईश्वरन, वैभव सूर्यवंशी, कुमार कुशाग्र, सुदीप कुमार घरामी, शिखर मोहन, ईशान किशन (विकेटकीपर/कप्तान), एमडी कौनैन कुरैशी, अनुकूल रॉय, मोहम्मद शमी, अभिजीत के सरकार, मुकेश कुमार।

साउथ जोन: रिकी भुई, नारायण जगदीसन (विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल, शेख रशीद, तिलक वर्मा (कप्तान), स्मरण रविचंद्रन, श्रेयस गोपाल, त्रिपुराना विजय, मोहम्मद सिराज, चामा वी मिलिंद, एमडी निधिश।

भारत 20 साल बाद एएफसी यू20 एशियन कप में पहुंचा

सीरिया की हार से मिली टूर्नामेंट में जगह

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय अंडर-20 फुटबॉल टीम ने 20 साल के लंबे इंतजार के बाद AFC U-20 एशियन कप के मेन टूर्नामेंट में जगह बना ली है। भारत ने रविवार को ताशकंद में खेले गए ग्रुप-B के आखिरी क्वालिफायर में बांग्लादेश को 3-0 से हराया।

इसके बाद उज्बेकिस्तान ने सीरिया को भी 3-0 से मात दी, जिससे भारत 6 पॉइंट्स के साथ ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहते हुए क्वालिफाई कर गया। भारत ने आखिरी बार 2006 में इस टूर्नामेंट के मेन स्टेज में हिस्सा लिया था।

भारत ने क्वालिफाइंग राउंड में तीन मुकाबले खेले। टीम ने पहला मैच सीरिया के खिलाफ 1-0 से जीता था। इसके बाद उज्बेकिस्तान के खिलाफ उसे 0-4 से हार मिली।

बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी मैच भारत के लिए करो या मरो जैसा था। जीत के साथ टीम के खाते में 6 अंक पहुंचे, लेकिन ग्रुप से क्वालिफिकेशन तभी पक्का होना था जब सीरिया, उज्बेकिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज न करे।

भारत की जीत के बाद सभी की नजर सीरिया और उज्बेकिस्तान के मुकाबले पर थी। उज्बेकिस्तान ने सीरिया को 3-0 से हरा दिया।

इस नतीजे के बाद उज्बेकिस्तान 9 अंक के साथ ग्रुप-B में पहले स्थान पर रहा। भारत 6 अंक के साथ दूसरे, सीरिया 3 अंक के साथ तीसरे और बांग्लादेश बिना अंक के चौथे स्थान पर रहा।

कार्लोस अल्काराज यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

टॉमी पॉल को हराया, अब बेन शेल्टन से भिड़ेंगे सबालेंका भी अगले राउंड में

नई दिल्ली, एजेंसी

डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने न्यूयॉर्क में खेले जा रहे US ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। वहीं, आर्यना सबालेंका भी अगले राउंड में पहुंच गई है।

मेंस सिंगल्स में अल्काराज ने अमेरिका के टॉमी पॉल को 6-4, 6-3, 6-4 से हराया। इस जीत के साथ उनकी ग्रैंड स्लैम में लगातार 18 मैच जीतने की लय बरकरार रही। टूर्नामेंट में अब तक उन्होंने सिर्फ एक सेट गंवाया है।

अल्काराज दाहिनी कलाई की चोट के कारण करीब चार महीने कोर्ट से दूर रहने के बाद लौटे है।अब क्वार्टर फाइनल में अल्काराज का सामना अमेरिका के 8वीं सीड बेन शेल्टन से होगा। शेल्टन ने स्टेफानोस सिटसिपास को 6-2, 6-3, 6-4 से हराकर अंतिम-8 में जगह बनाई।

विमेंस सिंगल्स में सबालेंका ने अमेरिका की टेलर टाउनसेंड को 6-4, 6-3 से मात दी। सबालेंका ने पहला सेट 6-4 से जीता। दूसरे सेट में 1-3 से पिछड़ने के बाद उन्होंने लगातार पांच गेम जीते और मैच अपने नाम किया। इस जीत के साथ सबालेंका लगातार छठी बार US ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंची हैं। अब उनका सामना छठी सीड और मौजूदा विंबलडन चैंपियन लिंडा नोस्कोवा से होगा। नोस्कोवा ने मार्ता कोस्ट्युक को 7-5, 5-7, 6-4 से हराया।

पाकिस्तान क्रिकेट वेंटिलेटर पर : शोएब अख्तर

मौजूदा टीम से कोई उम्मीद नहीं, मिस्बाह ने भी सिस्टम पर सवाल उठाए

इस्लामाबाद, एजेंसी

पूर्व तेज गेंदबाज ने शाहीन शाह अफरीदी, नसीम शाह और हारिस रऊफ को लेकर अलग से सावधानी बरतने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इन तीनों के करियर में अभी काफी क्रिकेट बाकी है, इसलिए उनके वर्कलोड और फिटनेस का ध्यान रखा जाना चाहिए।

पाकिस्तान क्रिकेट 'वेंटिलेटर पर' है और मौजूदा टीम से कोई उम्मीद नहीं बची है। इंग्लैंड दौरे पर लगातार खराब प्रदर्शन के बीच पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने PCB और टीम की मौजूदा स्थिति पर तीखी टिप्पणी की है।

वहीं, पूर्व कप्तान मिस्बाह-उल-हक ने स्थानीय और विदेशी कोचों के साथ अलग-अलग व्यवहार किए जाने पर सवाल उठाते हुए सिस्टम पर निशाना साधा है। इंग्लैंड तीन टेस्ट की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना चुका है और तीसरा मुकाबला बाकी है।

शोएब अख्तर ने 'आउटसाइड एज' शो में कहा, टीम को दोबारा मजबूत स्थिति में आने में करीब दो साल लग सकते हैं। अख्तर ने कहा कि PCB मौजूदा टीम के प्रदर्शन से निराश है और अब उसकी उम्मीदें अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों से हैं। उनका मानना है कि ऐसे क्रिकेटरों को तैयार करने की जरूरत है जो लंबे समय तक पाकिस्तान के लिए खेलें।

हाल ही में राष्ट्रीय चयनकर्ता पद से हटे पूर्व टेस्ट कप्तान मिस्बाह-उल-हक ने पाकिस्तान क्रिकेट सिस्टम में कोचों के साथ होने वाले व्यवहार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय कोचों को विदेशी कोचों की तुलना में ज्यादा जांच और आलोचना का सामना करना पड़ता है।

मिस्बाह ने एक टीवी शो पर कहा कि उन्हें विदेशी कोच नियुक्त किए जाने से कोई परेशानी नहीं है। हालांकि, उनके मुताबिक PCB, मीडिया, आलोचकों और प्रशंसकों का रवैया विदेशी कोचों के प्रति ज्यादा नरम रहता है। उन्होंने कहा कि विदेशी कोचों को ज्यादा अधिकार और ताकत भी दी जाती है।

मिस्बाह ने खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन के बाद उन्हें लगातार निशाना बनाने पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि किसी खिलाड़ी को असफलता के बाद बार-बार आलोचना का सामना करना पड़े तो उसके लिए फॉर्म और आत्मविश्वास हासिल करना मुश्किल हो जाता है।

उनके मुताबिक, खिलाड़ियों के प्रदर्शन का आकलन करते समय उन्हें सुधार का मौका देना चाहिए, न कि हर असफलता के बाद लगातार आलोचना का सामना करवाना चाहिए। पाकिस्तान अब एजबेस्टन में तीसरा टेस्ट खेलेगा। टीम के सामने सीरीज में 3-0 की हार से बचने की चुनौती है।

पीसीबी अधिकारी ने कहा 'कुछ नहीं' की उम्मीद

अख्तर ने PCB के एक अधिकारी से हुई बातचीत का भी जिक्र किया। उनके मुताबिक, उन्होंने अधिकारी से पूछा था कि इंग्लैंड दौरे पर मौजूदा टीम से बोर्ड को क्या उम्मीद है।

अख्तर ने अधिकारी के हवाले से कहा, 'कुछ नहीं। हमारी उम्मीदें उन खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी से हैं, जिन्हें हम बड़े मंच के लिए तैयार कर रहे हैं।'

अख्तर ने दावा किया कि इसी अधिकारी ने पाकिस्तान क्रिकेट की स्थिति को 'वेंटिलेटर पर' बताया था। उनके मुताबिक, राष्ट्रीय क्रिकेट सेटअप को दोबारा मजबूत करने में करीब दो साल लग सकते हैं।

मनोरंजन

जेल में भी मराठी नहीं सीख पाया : संजय दत्त

शिवसेना नेता हंसे, भाजपा विधायक बोले- ऑटो ड्राइवरों पर तो दबाव बनाते हैं

मुंबई, एजेंसी

■ संजय दत्त और महाराष्ट्र के मंत्री प्रताप सरनाईक।

महाराष्ट्र में मराठी भाषा को लेकर चल रहे विवाद के बीच बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त ने मराठी में बोलने से इनकार कर दिया। रविवार को मुंबई में आयोजित दही हांडी कार्यक्रम में उन्होंने कहा, "मैं 6 साल तक येरवडा जेल में रहा, तब भी मराठी भाषा नहीं सीख पाया।" संजय दत्त के बयान पर अब विवाद हो गया है।

यह कार्यक्रम ठाणे में शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता और महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने आयोजित किया था। संजय दत्त मंच पर हिंदी में बोल रहे थे। इस पर मंत्री ने उन्हें मराठी में बोलने के लिए कहा, लेकिन 67 साल के एक्टर ने मजाकिया अंदाज में ऐसा करने से मना कर दिया।

इस पर भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता ने प्रताप सरनाईक पर निशाना साधते हुए कहा कि ऑटो ड्राइवरों पर तो मराठी बोलने का दबाव बनाया जाता है।

संजय दत्त और प्रताप सरनाईक मंच पर खड़े थे तभी मंत्री ने कहा, "आजकल मैं सभी लोगों को मराठी सिखा रहा हूं। तो मैंने सोचा कि क्यों न हम सब संजय दत्त से मराठी में बात करवाएं। वह हिंदी में बात करते हैं, लेकिन हम सभी मराठी समझते हैं।" मंत्री की बात पर मंच पर मौजूद लोगों के चेहरे पर हंसी दिखाई दी। इसके बाद संजय दत्त ने माइक लिया और पहले "हर हर महादेव" के नारे लगाए।

बीजेपी विधायक ने शिवसेना मंत्री पर निशाना साधा

संजय दत्त के बयान पर भारतीय जनता पार्टी (BJP) के विधायक नरेंद्र मेहता ने प्रताप सरनाईक पर सवाल उठाए। नरेंद्र मेहता ने कहा, "अगर कोई कलाकार मराठी नहीं जानता तो उस पर आप हंसते हैं, लेकिन दूसरी तरफ आम रिक्शा चालकों पर मराठी भाषा को लेकर दबाव बनाया जाता है। यह कैसा न्याय है? एकनाथ शिंदे ने उन्हें कभी कुछ करने नहीं दिया। वहां डमी मंत्री की जरूरत है, इसलिए वे हैं।" मंच पर कुछ समय रहने के बाद संजय दत्त अपनी टीम के साथ रवाना होने लगे। वह उतर रहे थे, तभी एक शख्स तेजी से उन्हें धक्का देते हुए पास से गुजरा। संजय दत्त ने इसे नजरअंदाज नहीं किया और उस शख्स का हाथ पकड़कर अपनी ओर खींच लिया। जैसे ही शख्स ने देखा कि वह संजय दत्त हैं, उसने तुरंत माफी मांग ली।

हनुमान अंश पार्ट-2 में दिखेगा नैनीताल का कैंची धाम

2006 में डायरेक्टर ने टेका था माथा

नई दिल्ली, एजेंसी

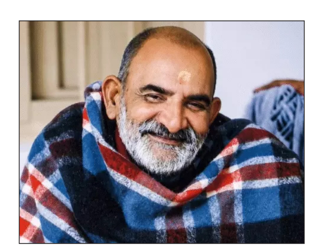

बाबा नीब करौरी के जीवन पर बनी फिल्म हनुमान अंश के पार्ट-2 की तैयारी शुरू हो गई है। फिल्म के डायरेक्टर डॉ. विशाल चतुर्वेदी ने इसकी घोषणा की है। पार्ट-2 में कैंची धाम की कहानी भी दिखाई जाएगी। बाबा 1960 के दशक की शुरुआत में कैंची पहुंचे थे और 15 जून 1964 को यहां हनुमान मंदिर व आश्रम की स्थापना हुई। जीवन के अंतिम वर्षों में कैंची उनका प्रमुख आध्यात्मिक केंद्र रहा।

डॉ. विशाल चतुर्वेदी 2006 के आसपास अपनी पोस्टिंग के दौरान कई बार कैंची धाम गए थे। यहीं उनका पहली बार नीम करोली बाबा की शिक्षाओं से परिचय हुआ। इस अनुभव का उन पर गहरा असर पड़ा और करीब दो दशकों बाद यही जुड़ाव 'हनुमान अंश' की कहानी की प्रेरणा बना। नैनीताल में भवाली के पास शिप्रा नदी के किनारे स्थित कैंची धाम बाबा से जुड़े प्रमुख आध्यात्मिक स्थलों में शामिल है। नैनीताल में उनसे जुड़े चार प्रमुख धाम बताए जाते हैं- कैंची धाम, काकड़ीघाट, हनुमानगढ़ी और भूमियाधार।

अजय देवगन ने इललीगल सॉफ्टवेयर से किया था प्रैंक

अमिताभ बच्चन के नंबर से किसी और को भेजा मैसेज, लिखा- सुबह साढ़े 5 बजे मिलो

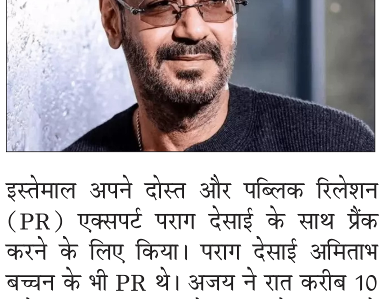

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन अक्सर मीडिया के सामने गंभीर नजर आते और कम बोलते हैं। हालांकि फिल्म के सेट पर सह-कलाकारों और क्रू मेंबर्स के साथ मजाक-मस्ती करते हैं और उनकी गिनती बॉलीवुड के सबसे बड़े प्रैंकस्टारों में होती है। यहां तक कि अजय देवगन ने सदी के महानायक अमिताभ बच्चन के साथ भी प्रैंक किया था।

'द कपिल शर्मा शो' में अजय देवगन ने बताया था कि बहुत साल पहले एक ऐसा इललीगल सॉफ्टवेयर आया था, जिससे किसी दूसरे नंबर से मैसेज भेजा जा सकता था। यानी मैसेज पाने वाले को लगता था कि उसे असली नंबर से ही मैसेज आया है।

अजय ने इसी सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल अपने दोस्त और पब्लिक रिलेशन (PR) एक्सपर्ट पराग देसाई के साथ प्रैंक करने के लिए किया। पराग देसाई अमिताभ बच्चन के भी PR थे। अजय ने रात करीब 10 बजे अमिताभ बच्चन के नंबर से पराग को मैसेज भेजा। मैसेज में लिखा था, "सुबह 5:30 बजे आकर मिलो।" मैसेज देखकर पराग टेंशन में आ गए कि क्या हुआ होगा और वो सुबह साढ़े पांच बजे अमिताभ बच्चन के घर पहुंच गए। उस समय अमिताभ बच्चन जिम में थे और उन्होंने पराग से बोला, इतनी सुबह-सुबह? जिस पर पराग ने उनसे कहा कि आपने उन्हें बुलाया है। अमिताभ बच्चन ने हैरानी से पूछा, "मैं क्यों बुलाऊंगा?"

इसके बाद पराग ने उन्हें वही मैसेज दिखाया। मैसेज देखकर अमिताभ बच्चन भी परेशान हो गए। उन्हें समझ नहीं आया कि आखिर उनके नंबर से यह मैसेज किसने भेजा।

शो पर अजय देवगन ने बताया कि बाद में उन्होंने अमिताभ बच्चन को पूरे प्रैंक की सच्चाई बता दी।

स्वरा भास्कर के बयान पर भड़के धीरेंद्र शास्त्री, धर्म परिवर्तन पर भी तंज कसा

'रानी पद्मावती का जौहर कायरता नहीं बहादुरी'

नई दिल्ली। धीरेंद्र शास्त्री ने स्वरा के उस बयान की निंदा की है, जिसमें उन्होंने रानी पद्मावती के जौहर को कायरता कहा था। स्वरा बयान पर सफाई दे चुके हैं, लेकिन विवाद जारी है। अब बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री ने स्वरा भास्कर के जौहर को 'कायरता' कहने वाले बयान पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि जौहर कायरता नहीं, बल्कि बहादुरी, भक्ति और पति के प्रति समर्पण है।यह बयान पश्चिम बंगाल के लीलुआ वर्कशॉप ग्राउंड में चल रही 'हनुमत कथा' के दूसरे दिन दिया गया। कार्यक्रम में दिए बयान के मुताबिक, धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि उनसे इस मुद्दे पर बिना बात किए रहा नहीं जा रहा था।

31 अगस्त को दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित 'वुमन, लाइफ, फ्रीडम' टॉक में स्वरा ने फिल्म पद्मावत के जौहर सीन का जिक्र करते हुए कहा की इससे रेप सर्वाइवर्स तक गलत संदेश जा सकता है। उन्होंने आगे कहा 'क्या हम सर्वाइवर्स को यही बताना चाहते हैं कि वे जीने के लायक नहीं हैं, कि अगर आप सच में इज्जतदार और बहादुर महिला होतीं, तो आपने खुद को मार लिया होता? क्या हम यह कह रहे हैं कि रेप किसी महिला की जिंदगी का अंत है?' एक सीन में गर्भवती महिला का पेट दिखाया गया है जो जौहर करने जा रही है। स्वरा ने कहा था, यह देखकर मुझे बहुत गुस्सा आया था और मैंने थियेटर में ही 'छी' कह दिया था। 5 दिन विचार करने के बाद मैंने डायरेक्टर संजय लीला भंसाली को ओपन लेटर लिखा था।

स्वरा के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने उन पर ऐतिहासिक बलिदान का अपमान करने का आरोप लगाया था।

स्वरा के बयान पर विवाद हो गया। कुछ समय बाद उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया।

धीरेंद्र शास्त्री- आप संस्कृति के बारे में क्या जानते हैं?

धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, 'एक तथाकथित महिला ने रानी पद्मावती के बारे में बयान दिया। उस महिला ने जौहर को कायरता कहा। ऐ नाककटु, चंडालन, जौहर कायरता नहीं है, यह बहादुरी, भक्ति और पति के प्रति समर्पण है। आप जौहर की संस्कृति के बारे में क्या जानते हैं?'

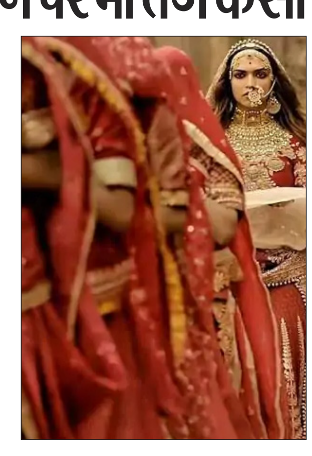

ट्रम्प ने ईरान के मैप पर खुद की फोटो लगाई

सोशल मीडिया पर एक घंटे में 7 पोस्ट किए, लिखा- बाय-बाय खार्ग

दावा

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान के खिलाफ सोशल मीडिया पर करीब 1 घंटे में एक के बाद एक 7 पोस्ट किए। इन पोस्ट में उन्होंने ईरान की कमजोर अर्थव्यवस्था, गिरते तेल निर्यात और कमजोर होती करेंसी को निशाना बनाया। ट्रम्प ने रविवार रात ईरान के नक्शे पर अपनी तस्वीर लगाकर भी पोस्ट किया। सबसे ज्यादा ध्यान खार्ग द्वीप से जुड़ी AI तस्वीर ने खींचा, जिसमें तेल ठिकानों पर बमबारी होती दिखाई गई और लिखा था- बाय-बाय खार्ग।

इसके बाद ट्रम्प ने ईरान की महंगाई को लेकर ग्राफिक शेयर किया। इस पर लिखा था- ईरान हैज हाइपरइन्फ्लेशन।

हाइपरइन्फ्लेशन का मतलब ऐसी स्थिति से है, जब किसी देश में

चीजों के दाम बहुत तेजी से बढ़ने लगते हैं और उसकी करेंसी की कीमत तेजी से गिरती है। ग्राफिक में ईरान की बिगड़ती आर्थिक स्थिति को दिखाने की कोशिश की गई। ट्रम्प ने इसके जरिए यह बताने की कोशिश की कि ईरान की अर्थव्यवस्था पर दबाव सिर्फ तेल कारोबार तक सीमित नहीं है।

ट्रम्प ने ईरानी करेंसी रियाल को लेकर एक और ग्राफिक शेयर किया। इस पर लिखा था- ईरान करेंसी इज डेस्ट्रॉएड।

ग्राफिक के मुताबिक, 2025 की शुरुआत में एक डॉलर की कीमत करीब 9 लाख ईरानी रियाल थी। दिखाए गए ताजा आंकड़ों में यह बढ़कर 22.7 लाख रियाल से ज्यादा हो गई।

ट्रम्प ने ईरान के नक्शे वाला एक ग्राफिक भी शेयर किया। इसमें ईरान के नक्शे पर उनकी अपनी तस्वीर लगाई गई थी।

> ट्रम्प ने एक ग्राफिक शेयर कर दावा किया कि होर्मुज से अब करीब 1.8 करोड़ बैरल तेल रोज गुजर रहा है, जबकि पहले यह आंकड़ा करीब 2 करोड़ बैरल प्रतिदिन था।

ईरान का तेल निर्यात बर्बाद हुआ

ट्रम्प ने ईरान के तेल निर्यात का ग्राफिक शेयर किया। इसमें दावा किया गया कि 2025 की शुरुआत में करीब 20 लाख बैरल प्रतिदिन तेल का निर्यात 2026 में गिरकर लगभग शून्य तक पहुंच गया है।

ग्राफिक में बीच में कुछ सुधार दिखाया गया है, लेकिन तीसरी तिमाही में निर्यात फिर बेहद कम स्तर पर आता नजर आ रहा है।

इस पोस्ट के जरिए ट्रम्प ने ईरान पर अपने दबाव और वहां अमेरिकी कार्रवाई को लेकर अपना संदेश और आक्रामक अंदाज में रखा।

उमंग एप से अब घर बैठे यूएएन बना सकेंगे

आधार फेस-ऑथेंटिकेशन से वेरिफिकेशन होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

एम्प्लाई प्रोविडेंट फंड ऑर्गेनाइजेशन यानी EPFO ने उमंग एप पर अपनी डिजिटल सर्विसेज में इजाफा किया है। अब पीएफ खाताधारक आधार-आधारित फेस-ऑथेंटिकेशन के जरिए मोबाइल से ही अपना यूनिवर्सल अकाउंट नंबर यानी UAN जनरेट, एक्टिवेट और ऑथेंटिकेट कर सकते हैं।

ऑर्गेनाइजेशन की इस पहल का मकसद EPFO सर्विसेज तक पहुंच को आसान बनाना और फिजिकल या मैनुअल वेरिफिकेशन पर निर्भरता को खत्म करना है।

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर इसकी घोषणा करते हुए बताया कि मेंबर्स अब उमंग एप के जरिए सीधे UAN अलॉट, एक्टिवेट और ऑथेंटिकेट कर सकते हैं।

UAN एक्टिवेट होने के बाद मेंबर्स EPF बैलेंस चेक करने, पासबुक डाउनलोड करने, क्लेम स्टेटस ट्रैक करने और KYC डिटेल्स अपडेट करने जैसी तमाम सुविधाओं का फायदा घर बैठे उठा सकेंगे। यह सुविधा खासतौर पर उन कर्मचारियों के लिए बेहद फायदेमंद है जो पहली बार EPF सिस्टम से जुड़ रहे हैं। नया UAN बनाने के लिए, कर्मचारी के पास एक वैलिड आधार नंबर, आधार-लिंक्ड मोबाइल नंबर और 'Aadhaar Face RD' एप्लीकेशन होना जरूरी है।

फास्ट न्यूज

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली बार जर्मनी में सरकार बना सकती है फार राइट पार्टी

बर्लिन। जर्मनी के पूर्वी राज्य सैक्सोनी-एनहाल्ट में हुए हालिया क्षेत्रीय चुनावों में फार राइट पार्टी अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी(एएफडी) ने 44% से अधिक वोट हासिल कर ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। यह परिणाम दूसरे विश्व युद्ध के बाद पहली बार किसी राज्य स्तर पर फार राइट पार्टी पार्टी के सत्ता में आने की संभावना पैदा करता है।

शेयर बाजार में इस हफ्ते हलचल की उम्मीद

मुंबई। पश्चिम एशिया में जारी अमेरिका-ईरान तनाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और अमेरिका के महंगाई आंकड़े इस हफ्ते शेयर बाजार की दिशा तय करेंगे। इसके अलावा विदेशी निवेशकों का रुख, डॉलर के मुकाबले रुपए की चाल और नई दिल्ली में 12-13 सितंबर को होने वाला 18वां ब्रिक्स सम्मेलन भी घरेलू बाजार पर असर डालेंगे। ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एंट्री करने की कोशिश कर रहे एक अमेरिकी जहाज पर हमला करने का दावा किया है। इसके एक दिन पहले अमेरिकी सेना ने नौसैनिक जहाजों पर मिसाइल हमले के जवाब में तीन ईरानी तेल टैंकरों पर हमला किया था।

इंटरनेशनल एयर शो में भाग लेने मिस्र पहुंची वायुसेना की सारंग टीम

काहिरा। भारतीय वायु सेना (IAF) की फेमस सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम अल अलामीन इंटरनेशनल एयर शो के दूसरे संस्करण में हिस्सा लेने के लिए मिस्र पहुंच गई है। यह टीम आठ से दस सितंबर तक होने वाले एयर शो में अपनी करतब दिखाएगी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह प्रदर्शन पायलटों के कौशल के साथ भारत के स्वदेशी एयरोस्पेस सामर्थ्य को दर्शाएगा।

आज सोना 2409 और चांदी 3967 सस्ती

10 ग्राम सोना 1.52 लाख पर आया

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 7 सितंबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 2,409 रुपए घटकर 1.52 लाख रुपए पर आ गई है। वहीं एक किलो चांदी की कीमत आज 3,967 रुपए घटकर 2.31 लाख रुपए पर आ गई। बीते हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को सोने की कीमत 1.55 और चांदी के दाम 2.35 लाख रुपए थे। ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटी: एक शहर से दूसरे शहर सोना ले जाने में ईंधन और सुरक्षा खर्च जुड़ता है, जिससे दूरी बढ़ने पर दाम बढ़ते हैं।

खरीदारी की मात्रा: दक्षिण भारत में ज्यादा खपत (करीब 40%) के कारण ज्वेलर्स बड़ी खरीद करते हैं,

> एक किलो चांदी 2.35 लाख की बिक रही

लेकिन छूट का फायदा सीमित रहता है। लोकल ज्वेलर्स एसोसिएशनः राज्य और शहर के ज्वेलर्स एसोसिएशन स्थानीय मांग-सप्लाई के आधार पर रेट तय करते हैं।

पुराना स्टॉक और खरीद मूल्यः ज्वेलर्स का खरीदी रेट तय करता है कि वे ग्राहकों को कितनी कीमत में बेचेंगे। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 19 हजार रुपए महंगा हो चुका है।

समलैंगिक लोगों को गालियां दे रहा था, विमान की इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी

अमेरिकी फ्लाइट में यात्री को टेप से बांधा

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका में अमेरिकन एयरलाइंस की एक फ्लाइट में 67 साल के यात्री ने अचानक हंगामा शुरू कर दिया। उसने पहले अश्वेत फ्लाइट अटेंडेंट के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। इसके बाद समलैंगिक लोगों को गालियां देने लगा।

पास बैठे यात्री ने हंगामे का विरोध किया तो उसने हमला कर दिया। इस दौरान बीच-बचाव करने आई एक महिला को भी धक्का दिया। हालात बिगड़ने पर तीन यात्रियों ने उसे काबू कर डक्ट टेप और जिप टाई से सीट पर बांध दिया। घटना के कारण फ्लाइट को बाल्टीमोर डायवर्ट करना पड़ा।

यह घटना 3 सितंबर की रात अमेरिकन एयरलाइंस की फ्लाइट 618 में हुई। विमान टेक्सास के डलास-फोर्ट वर्थ से न्यू जर्सी के

नेवार्क जा रहा था। आरोपी के हिंसक होने के बाद तीन पुरुष यात्री उसकी तरफ मदद के लिए आगे आए। उन्होंने मिलकर उसे रोकने की कोशिश की। इनमें रिटायर्ड अफसर जुआन मेजिया भी शामिल थे।

मेजिया के मुताबिक, कुछ ही सेकंड में विमान का माहौल पूरी तरह बदल गया। पहले सब कुछ सामान्य था, लेकिन यात्री अचानक चिल्लाने और मारपीट करने लगा।

आरोपी को रोकने की कोशिश के दौरान उसने मेजिया के हाथ पर काट लिया। इसके बाद फ्लाइट क्रू ने यात्रियों को डक्ट टेप और जिप टाई दीं। यात्रियों ने उसे सीट से बांध दिया और उसके हाथ जिप टाई से सुरक्षित कर दिए। फ्लाइट को बाल्टीमोर-वॉशिंगटन इंटरनेशनल थर्गुड मार्शल एयरपोर्ट डायवर्ट किया गया।

जीसस और नरक की बातें करते हुए चिल्लाने लगा

रिपोर्ट्स के मुताबिक, उड़ान के करीब दो घंटे बाद यात्री अचानक आक्रामक हो गया। वह जीसस और नरक में जाने की बातें करते हुए चिल्ला रहा था। इसके बाद वह पास बैठे यात्री से भिड़ गया। गवाहों के मुताबिक, उसने पहले उस यात्री के लैपटॉप पर वार किया और फिर उसका गला पकड़ लिया। एक महिला यात्री ने बीच-बचाव की कोशिश की तो उसने उसकी तरफ भी हमला करने की कोशिश की।

> - यात्री की पहचान 67 साल के आर्थर लेन लुंडीन के रूप में हुई है। वह एरिजोना का रहने वाला है। उसके खिलाफ सेकंड-डिग्री असॉल्ट और डिसऑर्डरली कंडक्ट के आरोप लगाए गए हैं।
> - सोशल मीडिया पर इस घटना से जुड़ा वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें यात्री को टेप से बांधते हुए दिखाया गया है।

ट्रम्प ने नतीजे की तस्वीर शेयर की, फ्रांस बोला- यह यूरोप के लिए गंभीर समय

जर्मनी में कट्टर दक्षिणपंथी पार्टी पहली बार सत्ता के करीब

बर्लिन, एजेंसी

जर्मनी की दक्षिणपंथी पार्टी अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी (AfD) ने सक्सोनी-आनहाल्ट के राज्य चुनाव में बड़ी जीत हासिल की है। एग्जिट पोल के मुताबिक, AfD को करीब 44% वोट मिले हैं और वह सबसे बड़ी पार्टी बन गई है।

यह नतीजा चांसलर फ्रेडरिक मर्ज और उनकी कंजरवेटिव पार्टी के लिए बड़ा झटका है। AfD पहली बार द्वितीय विश्व युद्ध के बाद किसी जर्मन राज्य में सत्ता के इतने करीब पहुंची है।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन के विशेष दूत किरिल दिमित्रिएव नेने इस जीत को ऐतिहासिक बताया है। वहीं, फ्रांस ने इसे पूरे यूरोप के लिए गंभीर समय बताया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर चुनाव के अनुमानित नतीजे की एक तस्वीर शेयर की है। हालांकि उन्होंने AfD के समर्थन में कुछ नहीं लिखा। जर्मनी में नाजी शासन के इतिहास की वजह से मुख्यधारा की पार्टियां लंबे समय से बहुत ज्यादा दक्षिणपंथी मानी जाने वाली पार्टियों से दूरी रखती हैं। AfD पर भी दक्षिणपंथी चरमपंथ के आरोप लगते रहे हैं। इसलिए उसका किसी राज्य में सत्ता के करीब पहुंचना जर्मन राजनीति में बड़ा बदलाव माना जा रहा है।

कौन हैं उलरिश जिगमुंड, जिन्हें एएफडी ने बनाया चेहरा

महंगाई, बेरोजगारी और मौजूदा पार्टियों से नाराजगी का फायदा AfD को खासकर पूर्वी जर्मनी में मिल रहा है। इस चुनाव में पार्टी ने 35 साल के उलरिश जिगमुंड को अपना मुख्य उम्मीदवार बनाया था।

36 साल के जिगमुंड 2016 से राज्य विधानसभा के सदस्य हैं। सोशल मीडिया पर उनकी अच्छी पकड़ है। उनकी छवि भी पार्टी के कट्टरपंथी नेताओं के मुकाबले ज्यादा नरम मानी जाती है। पार्टी को उम्मीद है कि इससे वह नए और युवा वोटरों तक पहुंच बना सकेगी।

एएफडी पर नाजी सोच से लेकर भेदभाव तक के आरोप

AfD के नेताओं पर नाजी नारों के इस्तेमाल और होलोकॉस्ट को कमतर दिखाने जैसे आरोप लगते रहे हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हिटलर और उसकी नाजी सरकार ने 60 लाखों यहूदियों को मार डाला था। इस घटना को होलोकॉस्ट कहते हैं।

जर्मनी की खुफिया एजेंसी भी AfD को संदिग्ध चरमपंथी संगठन के तौर पर देखती है। AfD के कुछ नेताओं ने मुस्लिमों और प्रवासियों को लेकर काफी तीखे और विवादित बयान दिए हैं।

AfD के सीनियर लीडर अलेक्जेंडर गाउलांड ने कई बार कह चुके हैं कि जर्मनी को इस्लाम के प्रति नरम रवैया छोड़ देना चाहिए। उन्होंने मुस्लिमों के बढ़ती जनसंख्या को जर्मन समाज के लिए खतरा बताया था।

और बात सिर्फ इस एक राज्य की नहीं है। AfD राष्ट्रीय स्तर पर भी सबसे लोकप्रिय पार्टी बन चुकी है। हालिया INSA सर्वे में उसे करीब 28% समर्थन मिला है, जबकि मर्ज की CDU/CSU करीब 20% पर है। AfD की राजनीति में इमिग्रेशन, शरणार्थी और जर्मनी की राष्ट्रीय पहचान बड़े मुद्दे हैं। सबसे ज्यादा सीटें जीतने के बावजूद AfD के लिए सत्ता हासिल करना आसान नहीं है। CDU समेत दूसरी बड़ी पार्टियां पहले ही साफ कर चुकी हैं कि वे AfD के साथ गठबंधन नहीं करेंगी।

भारत के स्पेस सेक्टर में सबसे बड़ी फंडिंग

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय स्पेस-टेक स्टार्टअप पिक्सल ने 100 मिलियन डॉलर यानी करीब 835 करोड़ जुटाए हैं। यह भारत के स्पेस टेक्नोलॉजी सेक्टर में किसी भी कंपनी की जुटाई गई अब तक की सबसे बड़ी सिंगल फंडिंग है। 2019 में इस स्टार्टअप की नींव रखी गई थी।

इस नए निवेश के साथ ही कंपनी की कुल फंडिंग बढ़कर 195 मिलियन डॉलर यानी करीब 1840 करोड़ डॉलर पहुंच गई है। कंपनी इस फंड का इस्तेमाल अपने सैटेलाइट नेटवर्क को मजबूत करने और अर्थ इंटेलिजेंस सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म को डेवलप करने में करेगी। पिक्सेल के इस फंडिंग राउंड को सिंगापुर की सरकारी निवेश कंपनी टेमासेक और यूके की स्पेस-टेक वेंचर फर्म सेराफिम ने मिलकर लीड किया है। इसके अलावा कंपनी

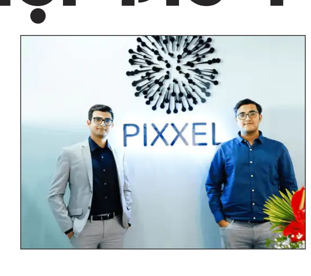

> पिक्सल ने जुटाए 944 करोड़ सैटेलाइट नेटवर्क और एआई प्लेटफॉर्म का विस्तार करेगी कंपनी

के पुराने इन्वेस्टर्स रेडिकल वेंचर्स और ग्रोथ्क्स वेंचर्स ने भी इसमें हिस्सा लिया। वहीं, 360 वन एसेट और IMM इन्वेस्टमेंट जैसे नए निवेशक भी इस राउंड में शामिल हुए हैं। कंपनी के मुताबिक, जुटाए गए नए फंड का इस्तेमाल सेंसिंग कैपेबिलिटीज बढ़ाने और सैटेलाइट इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए किया जाएगा।

हादसा : 64 घायल, चर्च में सेलिब्रेशन चल रहा था, सैकड़ों लोग जमा थे, आतिशबाजी धमाके के बाद के 2 ड्रोन व्यू

मेक्सिको में आतिशबाजी के दौरान धमाका, 10 की मौत

टेमास्कालसिंगो, एजेंसी

मेक्सिको में धार्मिक उत्सव के दौरान शनिवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां आतिशबाजी के सामान में जोरदार धमाका होने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 60 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। धमाके के बाद आग फैल गई और चर्च की दीवारों का एक हिस्सा भी गिर गया। हादसा मध्य मेक्सिको के मेक्सिको राज्य के टेमास्कालसिंगो नगरपालिका के सांता मारिया कांचेन्दा गांव में हुआ। उस समय गांव में धार्मिक उत्सव चल रहा था और बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

हादसे के बाद सामने आए वीडियो में गांव का मुख्य चौक धुएं

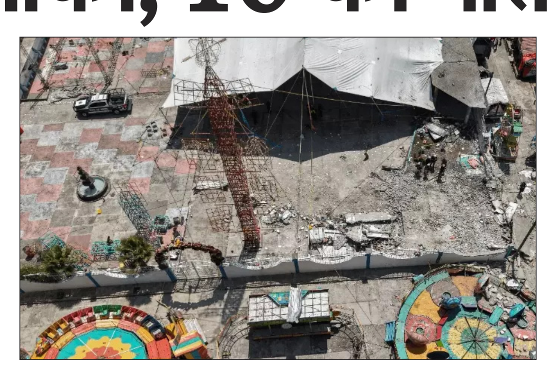

से भरा दिखाई दे रहा है। जमीन पर मलबा बिखरा हुआ है और लोग सुरक्षित जगह की ओर भागते नजर आ रहे हैं। कुछ लोग मलबे के बीच फंसे लोगों को तलाशते भी दिखाई देते हैं। हादसे के बाद राहत और बचाव का काम शुरू किया गया। मेक्सिको में धार्मिक उत्सवों और स्थानीय समारोहों में आतिशबाजी का इस्तेमाल आम है। लेकिन कई बार पटाखों के भंडारण और इस्तेमाल के दौरान बड़े हादसे भी हो चुके हैं। जुलाई 2018 में

> हादसे में दो पादरी भी घायल हुए हैं। अटलाकोमुल्को धर्मप्रांत ने बताया कि दोनों की हालत ऐसी है कि उनके बचने की उम्मीद है।
> धर्मप्रांत ने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों और उनके परिवारों के प्रति संवेदना जताई है। साथ ही घायलों और उनके परिवारों के लिए भी प्रार्थना की।

मेक्सिको सिटी के उत्तर में स्थित तुल्तेपेक शहर की एक आतिशबाजी फैक्ट्री में विस्फोट हुआ था। इसमें 24 लोगों की मौत हुई थी।

इससे पहले तुल्तेपेक के एक आतिशबाजी बाजार में भी बड़ा धमाका हुआ था। इस हादसे में 42 लोगों की जान गई थी।

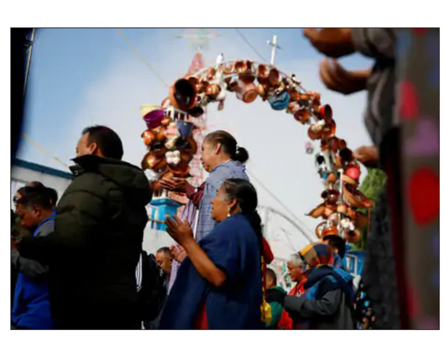

मेक्सिको में आतिशबाजी धमाके के बाद प्रार्थना करते लोग।

आतिशबाजी वाले बैल से निकली चिंगारी से भड़की आग

सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में लोग भूसे से बने बैल की आकृति लेकर चलते नजर आ रहे हैं। इस आकृति पर आतिशबाजी लगी थी और उससे चिंगारियां निकल रही थीं। AFP के मुताबिक, यह गांव की स्थानीय धार्मिक परंपरा का हिस्सा था। प्राथमिक जानकारी के मुताबिक, इसी आतिशबाजी वाले बैल से निकली चिंगारी चर्च में रखे पटाखों तक पहुंच गई। इसके बाद वहां जोरदार धमाका हुआ और आग फैल गई। धमाके की वजह से चर्च की दीवारें गिर गईं। कुछ लोग मलबे में दब गए, जिन्हें निकालने के लिए स्थानीय लोगों और बचाव दल ने तलाश अभियान चलाया।

मारुति की कारें बीस हजार तक होंगी महंगी

सितंबर से चुनिंदा मॉडल्स पर लागू होंगी नई कीमतें

नई दिल्ली, एजेंसी

मारुति सुजुकी इंडिया ने चुनिंदा मॉडल की कीमतें 20 हजार तक बढ़ाने का ऐलान किया है। नई कीमतें सितंबर से लागू होंगी। मई के बाद कीमतों में यह तीसरी बढ़ोतरी है। कंपनी ने बताया कि उत्पादन में लगने वाली लागत लगातार बढ़ रही है। इसे ध्यान में रखते हुए चुनिंदा मॉडल्स की कीमतें 20,000 तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। हालांकि कंपनी ने अभी यह साफ नहीं किया है कि किस मॉडल पर कितने रुपए बढ़ाए जा रहे हैं।

कंपनी ने कहा, रलगातार ऊंचे स्तर पर बनी महंगाई और विपरीत लागत परिस्थितियों के कारण बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा ग्राहकों पर डालना हमारी मजबूरी हो गया है। हालांकि, हमने यह पूरी कोशिश की है कि ग्राहकों पर इसका कम से कम असर पड़े।

पिछली दो बढ़ोतरीः मई के बाद हुई पिछली दोनों बढ़ोतरी में कंपनी ने अपने पूरे कार पोर्टफोलियो यानी एंट्री लेवल से लेकर प्रीमियम तक के दाम बढ़ाए थे।

इस बार का फैसलाः इस बार कंपनी ने सभी कारों के बजाय केवल चुनिंदा मॉडल्स की कीमतों में ही 20,000 तक की बढ़ोतरी की है।

सितंबर और अक्टूबर से भारत में फेस्टिव सीजन शुरू हो जाता है, जब लोग सबसे ज्यादा नई गाड़ियां खरीदते हैं। ऐसे समय में मारुति जैसी मास-मार्केट कंपनी के दाम बढ़ाए जाने से त्योहारी सीजन में कार खरीदने का प्लान बना रहे ग्राहकों के बजट पर असर पड़ेगा।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म० न० 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676